राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार, 19 फ़रवरी-2022 वर्ष-4,अंक-387 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

टीएमसी ने किया राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन, ममता ने भतीजे अभिषेक को दी बड़ी जिम्मेदारी

एजेंसी । तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी ने शुक्रवार को एक नयी पदाधिकारी समिति का गठन करते हुए अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को दोबारा पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव और वरिष्ठ नेता यशवंत सिन्हा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुब्रत बख्शी और चंद्रिमा भट्टाचार्य को भी पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। अन्य लोगों में, टीएमसी के मंत्री अरूप विश्वास को कोषाध्यक्ष बनाया गया है, और कोलकाता के महापौर फरहाद हकीम को समन्वय प्रभारी बनाया गया है। पुराने नेताओं और युवा नेताओं के बीच बढ़ती आंतरिक कलह के बीच बनर्जी ने पिछले हफ्ते तत्कालीन राष्ट्रीय पदाधिकारी समिति और इसके तहत आने वाले विभागों को भंग कर दिया था। इसके बाद उन्होंने पार्टी के दिग्गजों से भरी इस 20 सदस्यीय कार्यसमिति का गठन किया।

शीना बोरा हत्याकांड : इंद्राणी मुखर्जी की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और महाराष्ट्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शीना बोरा हत्याकांड में मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी की जमानत याचिका पर शुक्रवार को सीबीआई और महाराष्ट्र सरकार से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ ने मुखर्जी को जमानत देने से इनकार करते हुए बंबई हाई कोर्ट के 16 नवंबर 2021 के आदेश को चुनौती देते हुए उसकी याचिका पर सीबीआई तथा राज्य सरकार को नोटिस जारी किए। पीठ ने कहा कि नोटिस जारी किए जाते हैं। दो हफ्तों में जवाब दिया जाए। मुखर्जी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी पेश हुए। मुखर्जी अगस्त 2015 में गिरफ्तार होने के बाद से मुंबई की भायखला महिला कारागार में बंद है। इस हत्या मामले में मुकदमे की सुनवाई कर रही विशेष सीबीआई अदालत ने कई बार मुखर्जी को जमानत देने से इनकार कर दिया है। मुखर्जी पर अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या करने का आरोप है। गौरतलब है कि मुखर्जी, उसके चालक श्यामवर राय और पूर्व पति संजीव खन्ना ने अप्रैल 2012 में एक कार में बोरा (24) की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी थी। उसक शव पड़ोसी रायगढ़ जिले के एक जंगल में जला दिया गया था। इस साजिश का हिस्सा होने के आरोप में पूर्व मीडिया उद्योगपति पीटर मुखर्जी को भी गिरफ्तार किया गया। उसे फरवरी 2020 में उच्च न्यायालय से जमानत मिल गयी। मामले में जेल में बंद रहने के दौरान ही उसने इंद्राणी मुखर्जी से तलाक ले लिया। उसे फरवरी 2020 में उच्च न्यायालय से जमानत मिल गयी। मामले में जेल में बंद रहने के दौरान ही उसने इंद्राणी मुखर्जी से तलाक ले लिया। मामले में जेल में बंद रहने के दौरान ही उसने इंद्राणी मुखर्जी से तलाक ले लिया।

2008 अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस में 38 को फांसी

नेशनल डेस्क।

गुजरात के अहमदाबाद की एक विशेष अदालत ने शहर में 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाके के मामले में 38 दोषियों को शुक्रवार को मौत की सजा सुनाई। इन धमाकों में 56 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। अदालत ने आठ फरवरी को मामले में 49 आरोपियों को दोषी ठहराया था और 28 अन्य को बरी कर दिया था। अदालत ने पिछले साल सितंबर में 77 आरोपियों के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई पूरी की थी। कुल 78 आरोपियों में से एक गवाह बन गया था। अदालत ने जिन 38 दोषियों को मौत की सजा सुनाई है उनके नाम इस प्रकार हैं:-

ये रहे दोषियों के नाम

1. जहीद कुतबुद्दीन शेख
2. इमरान इब्राहीम शेख
3. इकबाल कसम शेख
4. समसुद्दीन शाहबुद्दीन शेख
5. गयासुद्दीन अब्दुल हलिम अंसारी
6. मोहम्मद आरिफ मोहम्मद इकबाल कागजी
7. मोहम्मद उस्मान महम्मद अनीस अगरबत्तीवाला
8. युनुस मोहम्मद मंसूरी
9. कमरुद्दीन चाँद मोहम्मद नागोरी
10. आमिल परवाज काजी सैफुद्दीन शेख
11. सबली उर्फ साबित अब्दुल करीम मुस्लिम
12. सफदर उर्फ हुसेनभाई उर्फ इकबाल जहरुल हुसेन नागोरी
13. हाफिज हुसेन उर्फ अदनान ताजुद्दीन मुल्ला
14. मोहम्मद साजिद उर्फ सलीम उर्फ सज्जाद उर्फ साद गुलाम ख्वाजा मंसूरी
15. मुफ्ती अबूबशर उर्फ अब्दुल रशीद उर्फ अब्दुल्ला अबुबकर शेख
16. अब्बास उम्र समेजा
17. जावेद अहमद सगीर अहमद शेख
18. महमद इस्माइल उर्फ अब्दुल राजिक उर्फ मुसाफ उर्फ फुरकान महमद इसाक मंसूरी
19. अफजल उर्फ अफसर मुतल्लिब उस्मानी
20. महम्मद आरिफ उर्फ आरिफ बदर उर्फ लदन सन ऑफ बदरुद्दीन उर्फ जुम्मन शेख
21. आसिफ उर्फ हसन बशीरुद्दीन शेख
22. कयामुद्दीन उर्फ रिजवान उर्फ अशफाक सरफुद्दीन कापडिया
23. मोहम्मद सेफ उर्फ़ राहुल सागाद एहमद उर्फ़ मिस्टर शेख
24. जीशान एहमद उर्फ़ राहुल साबाद एहमद उर्फ मिस्टर शेख
25. जियाउर रहेमान उर्फ़ मोंटू उर्फ़ जिया अब्दुल रहमानी तेली
26. महम्मद शकील यामिनखान लुहार
27. मोहम्मद अकबर उर्फ़ सईद उर्फ़ याकूब उर्फ़ विनोद इस्माइल चौधरी
28. फ़ज़ले रहेमान उर्फ़ रफीक उर्फ़ सलाउद्दीन मुसद्दिकखान दुर्रानी
29. एहमद बावा उर्फ़ अबू अबूबकर बरेलवी
30. सरफुद्दीन उर्फ़ सरफु सन ऑफ़ ई.टी. सैनुद्दीन उर्फ़ अब्दुल सत्तार उर्फ़ अब्दुल सलाम उर्फ़ सलीम
31. सैफुर रहेमान उर्फ़ सैफू उर्फ़ सैफ अब्दुल रहेमान
32. सादुली उर्फ़ हारिज़ अब्दुल करीम मुस्लिम
33. मोहम्मद तनवीर उर्फ़ तल्हा मोहम्मद अख्तर पठाण
34. आमीन उर्फ़ राजा अय्यूब शेख
35. महम्मद मुबीन उर्फ़ इरफ़ान अब्दुल शाहरुख़खान
36. मोहम्मद रफ़ीक़ उर्फ़ जावीद उर्फ़ आलमजेब आफरीदी
37. तौसीफ खान उर्फ़ आतिक एहमदखान पठान
38. मोहम्मद आरिफ नसीम अहमद मिर्ज़ा

पुलिस के मना करने के बावजूद पीएम मोदी गए थे स्पॉट वाली जगह

एजेंसी । गुजरात के अहमदाबाद की एक विशेष अदालत ने शहर में 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाके के मामले में 38 दोषियों को शुक्रवार यानि आज मौत की सजा सुनाई। इन धमाकों में 56 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। गुजरात जब इन बम धमाकों से सुलग रहा था उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के मुख्यमंत्री थे। जानकार बताते हैं कि, बम धमाकों के बाद वहां का मौहोल का काफी खराब हो गया था। पुलिस की मनाही को दरकिनार रख पीएम मोदी ब्लास्ट वाली जगह पर गए थे और सुरक्षा अधिकारिकों के साथ बैठक ली थी। 26 जुलाई को जब अहमदाबाद में सिलसिलेबार ब्लास्ट हुए तो मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुलिस कमिश्नर से स्पॉट वाली जगह पर जाने की इच्छा जाहिर की थी। इस पर कमिश्नर पीसी पांडे ने कहा था कि सर इस वक्त वहां जाना किसी खतरे से खाली नहीं है, क्योंकि बम कहीं भी रखा हो सकता है। ऐसे में गांधीनगर से अहमदाबाद आना सुरक्षित नहीं होगा। लेकिन इसके बाद भी नरेंद्र मोदी और उस समय के गुजरात के गृह मंत्री अहमदाबाद आए और पुलिस कमिश्नर के ऑफ़िस में बैठक की थी। तब सीएम मोदी ने अपराधियों पर बड़ा एक्शन लेते हुए पुलिस अधिकारियों से कहा था, आप ब्लास्ट करने वालों को पकड़ो, यही देश की सेवा होगी। इसके बाद पुलिस जांच में पूरे मॉडयूल का भंडाफोड़ हुआ। जिन दोषियों को सजा मिली है, वह देश के 8 राज्यों से हैं। बतातें चलें कि, अदालत ने आठ फरवरी को मामले में 49 आरोपियों को दोषी ठहराया था और 28 अन्य को बरी कर दिया था। गौरतलब है कि शहर 26 जुलाई 2008 को एक के बाद एक हुए धमाकों से दहल गया था। अदालत ने पिछले साल सितंबर में 77 आरोपियों के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई पूरी की थी। कुल 78

कुमार विश्वास के आरोपों पर मुख्यमंत्री केजरीवाल का पलटवार, कहा- मैं दुनिया का सबसे स्वीट आतंकवादी हूं

एजेंसी ।

पंजाब चुनाव से पहले कुमार विश्वास के आरोपों में घिरे आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि मतदान निकट आते समूचा विपक्ष मेरे और पार्टी नेता भगवंत मान सहित समूची आप पार्टी के खिलाफ खड़ा हो गया है। केजरीवाल ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों से कहा कि पूरा सिस्टम हमारे खिलाफ हो गया है। भाजपा गठबंधन, कांग्रेस, अकाली दल नहीं चाहता कि पंजाब में ईमानदार सरकार बने। हम पंजाब में भ्रष्ट सिस्टम को बदलने आये हैं तथा ये सभी दल हमारे खिलाफ हो गये हैं। केजरीवाल ने कहा कि ऐसे हालात में मैं आप सभी तीन करोड़ पंजाबियों से अपील करता हूं कि आप भी यदि इकट्ठे हो जाओ और पंजाब के खुशहाल भविष्य के लिये वोट दो तो ऐसे भ्रष्ट सिस्टम को हराना मुश्किल नहीं है। हमारे खिलाफ सभी दलों के नेता आरोप लगा रहे हैं। मुझ पर देश तोड़ने का आरोप लगाया जा रहा है। एक कवि के कहने पर सभी ने आरोपों की मुझ पर बौछार शुरू कर दी। मुझे तो इन बातों पर हंसी आती है। उन्होंने कहा कि पहले राहुल गांधी का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाषण सुना और वही आरोप मुझ पर लगाये जो राहुल जी लगा रहे थे और मोदी के बाद प्रियंका गांधी और सुखबीर बादल तथा नवजोत सिद्धू ,चरनजीत चन्नी सहित सभी दलों के नेता हमारे खिलाफ एकजुट हो गये। मैंने तो पंजाब में बेहतर शिक्षा ,स्वास्थ्य ,सड़कें बनवाने की बात कही थी ले किन इन सबने हमारे खिलाफ साजिश शुरू कर दी ताकि चुनाव में पार्टी को सत्ता में बढ़ने से रोका जा सके।

आप सुप्रीमो ने कहा कि क्या विकास की बात करने वाला आतंकवादी देखा है जो देश के दो टुकड़े करने की साजिश बना रहा हो। ये तो किसी कमेडी से कम नहीं। देश की सारी गुप्तचर एजेंसियां क्या करती रहीं जो मुझे गिरफ्तार नहीं कर सकीं। मोदी जी मुझे गिरफ्तार क्यों नहीं करते।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आवास पर सिख समुदाय के प्रमुख लोगों से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास पर सिख समुदाय के प्रमुख लोगों का स्वागत किया। पंजाब में विधानसभा चुनाव से दो दिन पहले यह मुलाकात हुई है। भारतीय जनता पार्टी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस तथा अकाली दल के सुखदेव सिंह ढींढसा धड़े के साथ गठबंधन करने के साथ ही सिख समुदाय को लुभाने में जी जान से जुटी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मोदी से मुलाकात करने वाले सिख समुदाय के लोगों में दिल्ली गुरुद्वारा समिति के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका, पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित बाबा बलबीर सिंह जी सीचेवाल, सेवापंथी, यमुना नगर के महंत करमजीत सिंह, करनाल में डेरा बाबा जंग सिंह के बाबा जोगा सिंह और अमृतसर में मुखी डेरा बाबा तार सिंह वा के संत बाबा मेजर सिंह वा शामिल थे।

यूपी में आंदोलनकारियों के खिलाफ सभी नोटिस वापस लिए गए, उत्तर प्रदेश ने कहा- वापस करें पैसा

एजेंसी । उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि उसने सार्वजनिक और निजी संपत्ति को हुई क्षति के लिए 2019 में सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध शुरू की गई कार्रवाई और 274 रिकवरी नोटिस वापस ले ली है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकान्त की पीठ ने कहा कि राज्य सरकार करोड़ों रुपये की पूरी राशि वापस करेगी जो 2019 शुरू की गई कार्रवाई के तहत कथित प्रदर्शनकारियों से वसूली गई थी। बहरहाल, न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को नए कानून के तहत कथित सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की स्वतंत्रता प्रदान की। सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति नष्ट करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार भरपाई कानून को 31 अगस्त 2020 को अधिसूचित किया गया था। पीठ ने अतिरिक्त एडवोकेट जनरल गरिमा प्रसाद की उस दलील को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि प्रदर्शनकारियों और राज्य सरकार को निधि निर्देशित करने की बजाय दावा अधिकरण का रुख करना चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार ने दिसंबर 2019 में कथित सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों को जारी भरपाई नोटिस पर कार्रवाई की थी जिसके लिए शीर्ष अदालत ने 11 फरवरी को सरकार को फटकार लगाई थी।

असम में पुलिस गोलीबारी में संदिग्ध अपराधी घायल

एजेंसी । असम के कामरूप जिले में शुक्रवार को पुलिस की गोलीबारी में एक संदिग्ध बदमाश घायल हो गया जब उसने कथित तौर पर हिरासत से भागने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि यह घटना करीब 2.30 बजे हुई जब उस व्यक्ति और उसके सहयोगी को रंगिया के पास उनके ठिकाने पर ले जाया जा रहा था। रंगिया पुलिस थाना पुलिस ने बताया, उस व्यक्ति ने भागने की कोशिश की। हमने उसे रुकने के लिए कहा, लेकिन जब उसने चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया, तो हमारे कर्मियों को गोली चलानी पड़ी। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया और उसकी हालत स्थिर है। असम में मई 2021 में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से कथित तौर पर हिरासत से भागने या कर्मियों पर हमला करने की कोशिश करते हुए पुलिस कार्रवाई में कुल 33 अपराधी मारे गए हैं और कम से कम 80 घायल हो गए।

हम कहते डंके की चोट पर और सपा कहती दंगे की चोट पर सरकार बनेगी : राजनाथ सिंह

एजेंसी ।

रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ''हम कहते हैं कि डंके की चोट पर हमारी सरकार बनेगी तो समाजवादी पार्टी कहती है कि दंगे की चोट पर हमारी सरकार बनेगी।'' शुक्रवार को लखनऊ के कैंट विधानसभा क्षेत्र में राज्य के कानून मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार ब्रजेश पाठक के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुखे यमंत्री योगी आदिते यनाथ की सरकार में एक भी दंगा नहीं हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपलब्धियां गिनाते हुए सिंह ने कहा कि सब मिलाजुला के हमारा प्रदेश तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब वह प्रदेश को देखते हैं तो कहते हैं कि मुख्यमंत्री ने करिश्माई काम किया है। जनसभा में राजनाथ सिंह ने लखनऊ कैंट क्षेत्र के भाजपा विधायक सुरेश तिवारी की सराहना करते हुए कहा कि सुरेश तिवारी अच्छे कार्यकर्ता हैं और कई बार विधायक के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 के उप चुनाव में सुरेश तिवारी कैंट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर निर्वाचित हुए थे और पहले भी उन्होंने इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। भाजपा ने 2017 में लखनऊ मध्य क्षेत्र से चुनाव जीते ब्रजेश पाठक को इस बार कैंट से उम्मीदवार बना दिया। इसका जिक्र करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा जो भी राजनीतिक फैसला करती है उसे हर कार्यकर्ता स्वीकार करता है, यह भाजपा का बेमिसाल चरित्र है। उन्होंने कहा कि यह बात मैं इसलिए कह रहा हूं कि हिंदुस्तान की सभी राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों को देखिए, हर पार्टी का अपने जीवन में एक-दो या चार बार सीधा विभाजन हुआ है, लेकिन भाजपा हिंदुस्तान की अकेली ऐसी राष्ट्रीय पार्टी है जिसका एक बार भी विभाजन नहीं हुआ है।

केरल में बजट सत्र के पहले दिन विपक्ष का हंगामा, 'गवर्नर गोबैक के लगाए नारे

केरल।

केरल विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन शुक्रवार को कांग्रेस नीत विपक्षी गठबंधन यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान के अभिभाषण का बहिष्कार किया। राज्यपाल के सदन में प्रवेश करते ही विपक्षी सदस्यों ने 'गवर्नर गोबैक के नारे लगाए। सदस्य हाथों तख्तियां और बैनर पकड़े हुए थे जिन पर लिखा हुआ था राजभवन और सरकार के बीच 'गीव एंड टेक समझौता है। सदन में जैसे ही खान ने अपना अभिभाषण शुरू किया, विपक्ष के नेता वीडी सतीशन खड़े हो गये और कहा कि सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है। इस पर राज्यपाल ने कहा कि आपको सदन में हर चीज पर चर्चा करने का समय मिलगा। आप विपक्ष के एक जिम्मेदार नेता हैं और जनता के प्रतिनिधियों के सदन को संबोधित करना मेरा संवैधानिक कर्तव्य है। जब विपक्षी नेता नारेबाजी कर राज्यपाल का अभिभाषण बाधित करने लगे उन्होंने यूडीएफ के हंगामे पर आपत्ति जताई और उनसे अपने कर्तव्य का निर्वहन करने देने का आग्रह किया। इसके बाद विपक्ष ने राज्यपाल के अभिभाषण का बहिष्कार कर दिया और विधानसभा की सीढ़ियों पर धरने पर बैठ गये। उन्होंने सरकार और राज्यपाल के खिलाफ नारे लगाये और तख्तियां भी दिखाईं।

नौसेना के युद्धपोत आएनएस विशाखापत्तनम ने किया ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल का टेस्ट, दिखाई ताकत

एजेंसी । भारतीय नौसेना ने अपने युद्धपोत ढ्रहस विशाखापत्तनम से शुक्रवार को समुद्र में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया। रक्षा सूत्रों ने बताया कि युद्धपोत 21 फरवरी को राष्ट्रपति की फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेने के लिए विशाखापत्तनम पहुंच गया है। ब्रह्मोस भारतीय नौसेना के युद्धपोतों का मुख्य हथियार सिस्टम है और इसे इसके लगभग सभी सतही प्लेटफार्म पर तैनात किया गया है। इसका एक अंडरवाटर वेरिएंट भी विकसित किया जा रहा है, जिसका इस्तेमाल ना केवल भारत की पनडुब्बी कर सकेंगी, बल्कि मित्र देशों को भी निर्यात किया जाएगा। विशाखापत्तनम में नौसेना 21 फरवरी को राष्ट्रपति की फ्लीट रिव्यू का आयोजन करेगी जिसमें भारत को स्वतंत्र होने के 75 साल के पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके बाद द्विवार्षिक बहुपक्षीय नौसैन्य अभ्यास 'मिलन' होगा। भारत ने मिलन कार्यक्रम को आयोजित करने की शुरुआत साल 1995 में की थी. अब मिलन 2022 इसका 11वां संस्करण बताया जा रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए 45 से अधिक देशों को आमंत्रित किया गया है। ब्रह्मोस मिसाइल की बात करें, तो यह कई खूबियों से लैस है। मिसाइल 400 किलोमीटर तक का लक्ष्य भेदने में सक्षम है. इसे भारत और रूस के संयुक्त प्रयास से विकसित किया गया है। मिसाइल की लंबाई 8.4 मीटर है. जबकि मोटाई 0.6 मीटर है। फिलीपींस भारत से यह मिसाइल खरीज रहा है. इसके लिए उसने करीब 37.49 करोड़ डॉलर (27.89 अरब रुपए) की डील को मंजूरी दी है।इसमें हिस्सा लेने के लिए 45 से अधिक देशों को आमंत्रित किया गया है। ब्रह्मोस मिसाइल की बात करें, तो यह कई खूबियों से लैस है। मिसाइल 400 किलोमीटर तक का लक्ष्य भेदने में सक्षम है. इसे भारत और रूस के संयुक्त प्रयास से विकसित किया गया है। मिसाइल की लंबाई 8.4 मीटर है. जबकि मोटाई 0.6 मीटर है। फिलीपींस भारत से यह मिसाइल खरीज रहा है. इसके लिए उसने करीब 37.49 करोड़ डॉलर (27.89 अरब रुपए) की डील को मंजूरी दी है। मिसाइल की लंबाई 8.4 मीटर है. जबकि मोटाई 0.6 मीटर है। फिलीपींस भारत से यह मिसाइल खरीज रहा है. इसके लिए उसने करीब 37.49 करोड़ डॉलर (27.89 अरब रुपए) की डील को मंजूरी दी है।

सुविचार

बुद्धिमान व्यक्ति दूसरों की गलती से सीखता है - पी सायरस

संपादकीय

कश्मीर में मासूमों को आतंकी बनाने का खेल

अदालत की पहल

अभी यह कहना शायद ठीक नहीं होगा कि हरियाणा सरकार को मुंहमांगी मुराद मिल गई है। बात सिर्फ इतनी है कि प्रदेश के उद्योग-धंधों में स्थानीय लोगों को 75 फीसदी आरक्षण के राज्य के कानून पर उच्च न्यायालय ने जो रोक लगा दी थी, सुप्रीम कोर्ट ने उसको हटा लिया है। 3 फरवरी को पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने जब स्थगन आदेश दिया था, तो उसके अगले ही दिन रोक हटाने की मांग लेकर राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा दिया था। अब हरियाणा सरकार की वह इच्छा तो पूरी हो गई है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस पर जो फैसला दिया है, उसमें अदालत ने मामले की गंभीरता को समझते हुए अपने को सिर्फ स्थगन हटाने तक सीमित नहीं रखा। अदालत ने कहा है कि हम मामले के गुण-दोष पर अभी विचार नहीं कर रहे, और हमारा सुझाव है कि उच्च न्यायालय चार सप्ताह में इस पर फैसला करे। संबंधित पक्षों से कहा गया है कि वे इस मामले को लटकाने की कोशिश न करें। अदालत ने राज्य सरकार को यह भी कहा है कि इस कानून को लेकर नियोक्ताओं को परेशान करने का काम न किया जाए। कानून के खिलाफ उद्योगपतियों की सबसे बड़ी आपत्ति यही थी कि इससे उस इंस्पेक्टर राज की वापसी होगी, जो उन्हें लंबे समय तक परेशान करता रहा है। हरियाणा का यह कानून लंबे समय से विवादों में बना हुआ है। स्थानीय लोगों को निजी उद्योग में 75 फीसदी आरक्षण देने का वादा दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी ने किया था। यह पार्टी इस समय सत्ताधारी गठजोड़ की महत्वपूर्ण घटक है, जिसने सरकार बनने के बाद इस कानून को बनवाने की पहल की थी। यह कानून पिछले साल नवंबर में पास हुआ था और इस साल 15 जनवरी से ही लागू हुआ है। जब इस कानून का विधेयक विधानसभा में पेश हुआ, तभी से निजी क्षेत्र की कंपनियां और उनके संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। क्षेत्रीय दल अक्सर इस तरह के कानून बनाने के चुनावी वादे करते रहे हैं। उन्हें रोजगार के अवसर पैदा करने के मुकाबले इस तरह के लोकलुभावन वादे ज्यादा उपयोगी लगते हैं। कई जगह ऐसे कानून बनाकर लागू करने के प्रयास भी हुए हैं। 1995 में गुजरात सरकार ने ऐसा ही कानून बनाने की कोशिश की थी। महाराष्ट्र की शिव सेना के घोषणापत्र में भी रोजगार में मराठी मानुस को ही प्राथमिकता देने की बात होती रही है और वहां भी ऐसा कानून बनाने की कोशिशें हुई हैं। इस समय, जब गोवा के विधानसभा चुनाव चल रहे हैं, तब वहां भी एक पार्टी ने ऐसा ही वादा किया है। निजी उद्योग हमेशा ही ऐसे कदमों का विरोध करते रहे हैं, क्योंकि एक तो वे अपने कर्मचारियों की नियुक्ति के मामले में पूरी स्वतंत्रता चाहते हैं और फिर, नियुक्तियों के मामले में आमतौर पर वे स्थानीयता के बजाय कुशलता को अहमियत देते हैं। हालांकि, यह मामला अभी उच्च न्यायालय में है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के रुख से ऐसा लगता है कि वह इसे जल्द निपटाए जाने के पक्ष में है। अच्छा रहेगा कि इस मामले को अब अंतिम रूप से निपटाने की कोशिश की जाए, ताकि राज्यों व क्षेत्रीय दलों को भी अपनी सीमाओं का पता रहे और उद्योगों के सामने भी यह स्पष्ट रहे कि उन्हें किन स्थितियों के बीच काम करना है। एक ऐसे फैसले की जरूरत है, जो सबके लिए नजीर बन सके।

- प्रमोद भार्गव

जम्मू-कश्मीर में जब धारा-370 और 35-ए के खात्मे के बाद हालात सामान्य होने के साथ, जनजीवन मुख्यधारा से जुड़ रहा है, तब कुछ पाकिस्तान परस्त आतंकी संगठन मासूमों को आतंक की राह पर धकेलने का क्रूर खेल, खेल रहे हैं। पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने किशोरों को गुमराह करने वाले जैश-ए-मोहम्मद के बड़े नेटवर्क को हाल ही में ध्वस्त किया है। दक्षिण और मध्य कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में छापे मारकर 10 ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया गया है जो जैश-ए-मोहम्मद से जुड़कर काम कर रहे थे। इन साजिशकर्ताओं के साथ कुछ स्कूली छात्र भी शामिल हैं। ये सभी पाकिस्तान में आतंकवादी संगठन चलाने वाले सरगनाओं के संपर्क में थे। इस संबंध में कुछ दस्तावेजी साक्ष्य भी मिले हैं। यह नेटवर्क घाटी के अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, बड़गाम और श्रीनगर में फैला हुआ था। ये लोग किशोर उम्र के मासूमों को आतंकी संगठन के लिए भर्ती में जुटे थे। जिससे आतंकियों के हथियार और संदेश दक्षिण व मध्य-कश्मीर के आतंकवादी ठिकानों पर आसानी से पहुंचाए जाते रहें। इनके पास से बड़ी मात्रा में नगदी, मोबाइल फोन, सिमकार्ड, नकली पिस्तौल और आतंकियों के लिए धन के लेन-देन संबंधी बैंक रिकॉर्ड के कागजात भी मिले हैं। कश्मीर में छात्रों और युवाओं को आतंकी बनाने का खेल लंबे समय से चल रहा है। हालांकि अनुच्छेद-370 खत्म होने के बाद से लेकर अब तक करीब 200 आतंकी मारे गए हैं, जिनमें 20 पाकिस्तानी थे। अतएव अब घाटी में बमुश्किल 200 के करीब ही प्रशिक्षित आतंकी बचे हैं। इसे देखते हुए आतंकी संगठन नादान किशोरों को भर्ती कर घाटी में आतंकी गतिविधियों का सिलसिला जारी रखना चाहते हैं। कुछ समय पहले भी दक्षिण-कश्मीर के शोपियां जिले में एक धार्मिक मदरसे के तेरह छात्रों के आतंकवादी समूहों में शामिल होने की खबर मिली थी। इस सिलसिले में जामिया-सिराज-उल-उलूम नाम के मदरसे के तीन अध्यापकों को जन-सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। इसे कश्मीर के नामी मदरसों में गिना जाता है। इसके पहले भी यह मदरसा हिंसक घटनाओं, राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और यहां के छात्रों के आतंकी वारदातों में शामिल होने के कारण जांच एजेंसियों के राडार पर रहा है। हैरानी है कि पिछले कुछ सालों में जो छात्र दक्षिण-कश्मीर में मारे गए हैं, उनमें से 13 ने इसी मदरसे से आतंकी इबारत का पाठ पढ़ा था। पुलवामा हमले में शामिल रहे सज्जाद बट ने भी यहीं से पढ़ाई की थी। अल-बदर का आतंकी जुबैर नेंगरू, हिजबुल का आतंकी नाजमीन डार और एजाज अहमद पाल भी जिहाद की इसी पाठशाला से निकले थे। यह मदरसा जमात-ए-इस्लामी से जुड़ा है। इस मदरसे में जम्मू-कश्मीर के अलावा उत्तर-प्रदेश, केरल और तेलंगाना के छात्र भी पढ़ने आते हैं। इस खुलासे से साफ है कि घाटी पर सेना, सुरक्षाबलों और स्थानीय पुलिस का शिकंजा कस रहा है इसलिए आतंकी संगठन मदरसा छात्रों को आतंकी बनाने के क्रूर खेल में लग गए हैं। दरअसल बच्चों का मन निर्दोष और मस्तिष्क कोरा होता है, इसलिए उन्हें धार्मिक कट्टरता के बहाने आतंक का पाठ पढ़ाना आसान होता है। चूंकि धारा-370 और 35-ए के खात्मे के बाद घाटी की आम जनता खुले रूप में न केवल मुख्यधारा में शामिल हो रही है, बल्कि शासन-प्रशासन की योजनाओं में बढ़-चढ़कर भागीदारी भी कर रही है। पुलिस और सुरक्षाबलों के लिए मुखबिरी का काम भी आम लोग करने लग गए हैं। इसलिए आतंकी संगठन जनता में घुसपैठ बनाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। नतीजतन ये मासूमों को आतंक का पाठ पढ़ाने की कवायद में लगे हैं। घाटी के आतंकी दौर में यह हकीकत रही है कि पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिद्दीन ने जम्मू-कश्मीर में सेना और सुरक्षा बलों पर जो आत्मघाती हमले कराए हैं, उनमें बड़ी संख्या में मासूम बच्चों और किशोरों का इस्तेमाल किया गया था। इस सत्य का खुलासा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की 'बच्चे एवं सशस्त्र संघर्ष' नाम से आई रिपोर्ट में भी किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे आतंकी संगठनों में शामिल किए जाने वाले बच्चे और किशोरों को आतंक का पाठ मदरसों में पढ़ाया गया है। साल 2017 में कश्मीर में हुए तीन आतंकी हमलों में बच्चों के शामिल होने के तथ्य की पुष्टि हुई थी। पुलवामा जिले में मुठभेड़ के दौरान 15 साल का एक नाबालिग मारा गया था और सज्जाद बट शामिल था, जिसे अगस्त-2020 में सुरक्षाबलों ने मारा है। यह रिपोर्ट जनवरी-2017 से दिसंबर तक की है। मुंबई के ताज होटल पर हुए आतंकी हमले में भी पाक द्वारा प्रशिक्षित नाबालिग अजमल कसाब शामिल था। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठनों ने ऐसे वीडियो जारी किए हैं, जिनमें किशोरों को आत्मघाती हमलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पाकिस्तान में सशस्त्र समूहों द्वारा बच्चों व किशोरों को भर्ती किए जाने और उनका इस्तेमाल आत्मघाती हमलों में किए जाने की लगातार खबरें मिल रही हैं। जनवरी 2017 में तहरीक-ए-तालिबान ने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें लड़कियों सहित बच्चों को सिखाया जा रहा है कि आत्मघाती हमले किस तरह किए जाते हैं। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दुनियाभर में बाल अधिकारों के हनन के 21,000 मामले सामने आए हैं। पिछले साल दुनियाभर में हुए संघर्षों में 10,000 से भी ज्यादा बच्चे मारे गए या विकलांगता का शिकार हुए। आठ हजार से ज्यादा बच्चों को आतंकियों, नक्सलियों और विद्रोहियों ने अपने संगठनों में शामिल किया है। ये बच्चे युद्ध से प्रभावित सीरिया, अफगानिस्तान, यमन, फिलीपिंस, नाईजीरिया, भारत और पाकिस्तान समेत 20 देशों के हैं। भारत के जम्मू-कश्मीर में युवाओं को आतंकवादी बनाने की मुहिम कश्मीर के अलगाववादी चलाते रहे हैं। दरअसल कश्मीरी युवक जिस तरह से आतंकी बनाए जा रहे हैं, यह पाकिस्तानी सेना और वहां पनाह लेनेवाले आतंकी संगठनों का नापाक मंसूबा है। पाकिस्तान की अवाम में यह मंसूबा पल रहा है कि 'हंस के लिया पाकिस्तान, लड़के लेंगे हिंदुस्तान।' इस मकसद को हासिल करने के लिए मुस्लिम गरीब और लाचार बच्चों, किशोर और युवाओं को इस्लाम के बहाने आतंकवादी बनाने का काम में किया जा रहा है, जो अपने परिवार की आर्थिक बदहाली दूर करने के लिए आर्थिक सुरक्षा चाहते हैं। पाक सेना के वेष में यही आतंकी अंतरराष्ट्रीय नियंत्रण रेखा को पार कर भारत-पाक सीमा पर छद्म युद्ध लड़ रहे हैं। कारगिल युद्ध में भी इन छद्म बहरुपियों की मुख्य भूमिका थी। इस सच्चाई से पर्दा संयुक्त राष्ट्र ने तो अब उठाया है, किंतु खुद पाक के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एवं पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के सेवानिवृत्त अधिकारी रहे, शाहिद अजीज ने 'द नेशनल डेली अखबार' में पहले ही उठा दिया था। अजीज ने कहा था कि 'कारगिल से हमने कोई सबक नहीं लिया है। हकीकत यह है कि हमारे गलत और जिद्दी कामों की कीमत हमारे बच्चे अपने खून से चुका रहे हैं।' इन्हीं अलगाववादियों की शह से घाटी में संचार सुविधाओं के जरिए चरमपंथी माहौल विकसित हुआ था। अलगाववाद से जुड़ी जो सोशल साइटें हैं, वे युवाओं में भटकाव पैदा कर रही थीं। इसीलिए जब भी रमजान के महीने में केंद्र सरकार ने उदारता बरती तब-तब इसके सकारात्मक परिणाम निकलने की बजाय सेना को पत्थरबाजों का दंश झेलना पड़ा था। यही नहीं इन संघर्ष विराम का लाभ उठाते हुए आतंकियों ने राइफलमैन औरंगजेब और संपादक शुजात बुखारी की निर्मम हत्या कर दी थी।

डेयरी विकास और पशुधन, गरीबों के लिए आय का साधन

-सत्यवान 'सौरभ'

देश के लाखों ग्रामीण परिवारों के लिए डेयरी आय का (पशुपालन के जरिये दूध व्यवसाय) एक महत्वपूर्ण माध्यमिक स्रोत बन गया है और विशेष रूप से छोटे और महिला किसानों के लिए रोजगार और आय पैदा करने के अवसर प्रदान करने में इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज देश में अधिकांश दूध का उत्पादन छोटे, सीमांत किसानों और भूमिहीन मजदूरों द्वारा पाले गए जानवरों द्वारा किया जाता है। भारत में कुल दुग्ध उत्पादन का लगभग 48 प्रतिशत दूध या तो उत्पादक स्तर पर उपभोग किया जाता है या ग्रामीण क्षेत्र में गैर-उत्पादकों को बेचा जाता है। शेष 52त्न दूध शहरी क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को बिक्री के लिए उपलब्ध अतिरिक्त बिक्री योग्य है। अनुमान है कि बेचे गए दूध का लगभग 40त्न संगठित क्षेत्र (अर्थात 20त्न सहकारी और निजी डेयरियों द्वारा) और शेष 60त्न असंगठित क्षेत्र द्वारा नियंत्रित किया जाता है। सहकारी स्तर पर ठोस प्रयासों के माध्यम से दूध की आपूर्ति में भारी वृद्धि को श्वेत क्रांति के रूप में जाना जाता है। ऑपरेशन फ्लड के अड़तालीस साल बाद - जिसने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बना दिया - भारत कृषि उपज और उत्पादकता में एक और सफलता की तलाश में है। श्वेत क्रांति ने दूध और दूध उत्पादों के लिए डेयरी फर्मों की विपणन रणनीति को प्रभावित किया है। भारत 2019 में सबसे बड़े दूध उत्पादक और उपभोक्ता के रूप में उभरा है। नीति आयोग का अनुमान है कि देश में अपने दूध उत्पादन को 2033-34 में 176 मिलियन टन के मौजूदा स्तर से बढ़ाकर 330 मिलियन मीट्रिक टन कर लेगा। वर्तमान में भारत में डेयरी उत्पादों के विश्व उत्पादन का 17त्न हिस्सा है, जो 1998 में संयुक्त राज्य अमेरिका को पछाड़कर दुनिया के सबसे बड़े डेयरी उत्पाद के रूप में है। यह सब ऑपरेशन फ्लड द्वारा हासिल किया गया था जो 1970 के दशक में शुरू किया गया था। भारत में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 1960 में 126 ग्राम प्रतिदिन से बढ़कर 2021 में 406 ग्राम प्रतिदिन हो गई है। ये सब हासिल करने में डेयरी क्षेत्र के लिए सरकार की पहल ने अहम भूमिका निभाई है; जैसे गोजातीय प्रजनन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम, राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय गोजातीय आनुवंशिक केंद्र, गुणवत्ता चिह्न, राष्ट्रीय कामधेनु प्रजनन केंद्र, ई-पशुहाट पोर्टल, डेयरी विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीडीडी), डेयरी उद्यमिता विकास योजना (डीईडीएस), राष्ट्रीय डेयरी योजना,डेयरी प्रसंस्करण और बुनियादी ढांचा विकास कोष (डीआईडीएफ), डेयरी गतिविधियों में लगे डेयरी सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों का समर्थन करना (एसडीसीएफपीओ) वो योजनाएं है जिनसे पशुपालन के प्रति देश में लोगों की रूचि में बढ़ोतरी हुई है। फिर भी बहुत सी ऐसी बातें है जिनमें सुधार से इस व्यवसाय को और ज्यादा लाभ वाला और रुचिपूर्ण बनाया जा सकता है, आज देखें तो भारतीय मवेशियों और भैंसों की उत्पादकता सबसे कम है। इसी तरह, संगठित डेयरी फार्मों की कमी है और डेयरी उद्योग को वैश्विक मानकों पर ले जाने के लिए उच्च स्तर के निवेश की आवश्यकता है। कृषि पशुओं की उत्पादकता में सुधार प्रमुख चुनौतियों में से एक है; विभिन्न प्रजातियों की अनुवांशिक क्षमता को बढ़ाने के लिए विदेशी प्रजातियों के साथ स्वदेशी प्रजातियों का क्रॉस ब्रीडिंग केवल एक सीमित सीमा तक ही सफल रहा है। यह क्षेत्र उभरती बाजार शक्तियों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भागीदारी बढ़ाने के लिए अवसर पैदा करेगा इसलिए कड़े खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता मानदंडों की आवश्यकता होगी। इसके व्यवसायीकरण को गति देने के लिए बाजारों तक पहुंच महत्वपूर्ण है। बाजारों तक पहुंच की कमी किसानों को उन्नत प्रौद्योगिकियों और गुणवत्ता इनपुट को अपनाने के लिए कमजोर कर सकती है। इसलिए बाजार हिस्सेदारी में उत्पन्न होने वाले अवसरों और खतरों को देखते हुए डेयरी फार्म की क्षमताओं और उनके संसाधनों का उपयोग कैसे किया जाये पर ध्यान देना अति आवश्यक है। अनुबंध/कॉर्पोरेट डेयरी और उभरते वैश्विक डेयरी व्यापार को डेयरी लक्ष्य खंड में विस्तारित करने के लिए शामिल करना आवश्यक है। छोटे और मध्यम आकार के किसानों के लिए पंचायत स्तर पर शिक्षा और प्रशिक्षण, पशु उत्पादन को सब्सिडी देना और पशु बाजारों को प्रोत्साहित करना, उत्पादित दूध के लिए रसद की सुविधा, पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान में विशेष रूप से उन्नत पशु चिकित्सा सुविधा, ग्रामीण स्तर पर उत्पादित डेयरी की खरीद के लिए निजी क्षेत्र की फर्म को प्रोत्साहित करना, पशु खरीद के लिए छोटे और मध्यम स्तर के किसानों के लिए कम ब्याज ऋण, ग्रामीण महिलाओं को पशुपालन के लिए प्रोत्साहित करना, एंथ्रेक्स, फुट एंड माउथ, पेस्ट डेस रूमिनेंट्स आदि रोगों के खिलाफ मवेशियों का बीमा, पेशेवर प्रबंधन के साथ ग्रामीण स्तर पर युवाओं के प्रभावी प्रशिक्षण के माध्यम से डेयरी उद्यमियों का पोषण आदि के साथ-साथ उन्नत कृषि पद्धतियां, स्वच्छता, पीने के पानी और चारे की गुणवत्ता इन सभी की आवश्यकता है। तभी ये व्यवसाय किसानों के लिए सच्चा धंधा साबित होगा।

आज के कार्टून

सही धर्म

श्रीराम शर्मा आचार्य

आज के समय में लोगों ने धर्म को मजहब या संप्रदाय का पर्यायवाची मान लिया है। वे 'धर्म' शब्द सुनते ही किसी मत-पंथ या संप्रदाय से समझते हैं। यह नितांत भूल है। इसी भूल के चलते धर्म की गरिमा संदिग्ध हो गई है और मनुष्य धार्मिक कहलाने में गर्व अनुभव करने के बदले संकोच अनुभव करता है। इस भ्रम को दूर करना जरूरी है। 'धर्म' कोई संप्रदाय नहीं, कोई मत-पंथ नहीं, बल्कि वह एक ऐसी रीति-नीति है, जो मानव को महामानव बनाकर खड़ा करती है। वह धारण करने की वस्तु है, न कि रटने भर की। उसे धारण करने पर ही वह अपेक्षित अनुदान दे सकने में समर्थ होता है। केवल रटने भर के धर्म में कोई ताकत नहीं होती जो किसी को कुछ दे दे। सृष्टि निर्माण में मानवी चेतना के प्रादुर्भाव के साथ ही कर्त्तव्य-अकर्त्तव्य की भावना ने सामाजिक प्राणी मानव के समक्ष धर्म का स्वरूप प्रस्तुत कर दिया। धर्म-भावना ईश्वरवादी सृष्टि से भी ऊंची है। संसार में कोई भी राष्ट्र, कोई भी प्राणी अधार्मिक होकर जी नहीं सकता। क्योंकि प्राणी मात्र के कल्याण के लिए जो कुछ भी संभव हो सकता है, वह सब धर्म की सीमाओं में रहकर ही हो सकता है। मनुष्य का धर्म यह है कि वह बाह्य व्यवहार एवं आन्तरिक वृत्तियों का परिशोधन करे, अपने मूल रूप को जीवन में व्यक्त करे। यही शुद्ध स्वरूप ज्ञान 'आत्मवत् सर्व भूतेषु' की श्रेष्ठतम भावनाओं को स्फुरित कर लोकमंगल को सहज साध्य बना सकता है। स्थूल स्तर पर हम धर्म को दो रूपों में देख सकते हैं। एक रूप वह जो देश, काल, पात्र के अनुरूप आचार संहिता प्रस्तुत करता है और आवश्यकतानुसार यथोचित परिवर्तन के साथ लोकमंगल की दिशाए सक्रिय बनाता है। धर्म का यह स्वरूप देश, काल और पात्र का सापेक्ष होता है। दूसरा स्वरूप वह है जो मूल तत्त्व है, शात है, अजर, अमर, अपरिवर्तनीय व अविनाशी है। यह मानवी आध्यात्मिक शक्तियों का उस चरम बिन्दु तक का विकास है, जहां धरती पर स्वर्ग और मनुष्य में देवत्व का अवतरण हो जाता है। अर्थात् मानव का बाह्य आचरण एवं आंतरिक विचारणा मानव मात्र के कल्याण की दिशा में उन्मुख हो जाते हैं। धर्म का यह स्वरूप सार्वभौम, सार्वकालिक एवं सर्वजनीन होता है।

सू-दोकू नवताल -2050

		9	1		3		6	7
1				9				8
	8				6		4	
8					2	6		5
	5						2	
2		4	7					3
	3		2				8	
6				3				1
7	1		9		5	4		

सू-दोकू 2049 का हल

5	2	9	8	7	6	3	4	1
3	8	1	5	9	4	2	7	6
7	4	6	1	3	2	8	5	9
4	5	8	2	1	9	6	3	7
9	7	2	6	4	3	5	1	8
1	6	3	7	5	8	4	9	2
2	9	7	3	6	5	1	8	4
8	3	4	9	2	1	7	6	5
6	1	5	4	8	7	9	2	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2050

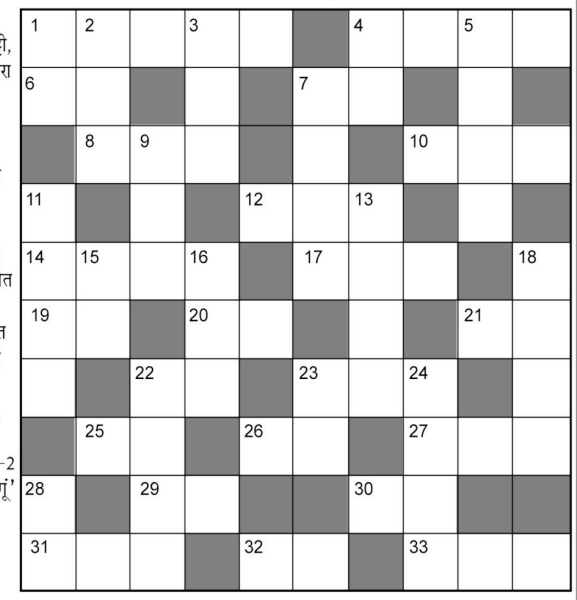

बायें से दायें:-

1. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
4. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-4
6. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-2
7. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-2
8. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-3
10. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-3
12. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-3
14. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-4
17. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
19. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-2
20. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-2
21. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-2
22. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-2
23. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-3
25. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-2
26. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-2
27. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
29. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-2
30. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
31. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-3
32. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-2
33. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-2
2. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-3
3. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-3
4. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-2
5. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-4
7. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-1,3
9. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
11. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-4
13. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-4
15. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-2
16. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-3
18. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-4
22. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-2,2
23. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-2
24. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-4
28. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2049

त्रि	शु	ल		ग	दा	र		धा	
दे		गा	य	ब		ह	म	रा	ज
व	च	न		न	ग	मा		वी	रू
	र		घ		ज	न	म		र
ती	स	री	मं	जि	ल		दा	व	त
स			डी			बू	री		
रा	जा	जी		अ	मृ	त		प	
कौ	न			प		न	व	रं	ग
न		अ	बु	रा	ग			प	
	जु	म्मा		ध		अ	प	रा	ध

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिंधिया ने स्पाइसजेट की खजुराहो-दिल्ली उड़ान को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली: नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को स्पाइसजेट की खजुराहो-दिल्ली उड़ान को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हरी झंडी दिखाई। यह उड़ान केंद्र की क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान के तहत संचालित होगी। स्पाइसजेट ने एक बयान में कहा, 'एयरलाइन दिल्ली और खजुराहो के बीच सप्ताह में दो बार- शुक्रवार और रविवार को उड़ानें संचालित करेगी।' विमानन कंपनी ने कहा कि वह 22 फरवरी से दिल्ली-शारजाह के लिए उड़ान का संचालन शुरू करेगी।

इस साल बढ़ेंगे संपत्तियों के दाम सर्वेक्षण

नई दिल्ली । एक उपभोक्ता सर्वेक्षण में 55 प्रतिशत से अधिक घर खरीदारों ने वर्ष 2022 में आवास की कीमतें बढ़ने की संभावना जताई है। एक सर्वेक्षण में कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि को देखते हुए खरीदारों ने यह संभावना जताई है। यह सर्वे जुलाई, 2021 और दिसंबर, 2021 के बीच किया गया। इसमें पहली, दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में 5,210 प्रतिभागियों ने विभिन्न डिजिटल मंचों के जरिए अपनी राय व्यक्त की है। सर्वेक्षण में 56 प्रतिशत प्रतिभागियों ने निर्माण के कच्चे माल में वृद्धि और डेवलपर्स के लिए कुल परिचालन लागत में बढ़ोतरी के कारण 2022 में आवास कीमतों में वृद्धि की संभावना जताई है। इसमें कहा गया है कि घरों की कीमतों में 10 प्रतिशत से कम की वृद्धि का प्रभाव ज्यादा नहीं होगा लेकिन 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि का खरीदार की भावना पर अधिक गहरा असर होगा।

सीमेंट ग्राइंडिंग श्रमता बढ़ाएगी अंबुजा सीमेंट्स

नई दिल्ली। अंबुजा सीमेंट्स ने अपनी सीमेंट ग्राइंडिंग क्षमता के विस्तार पर 3,500 करोड़ रुपए का निवेश करने की घोषणा की है। अंबुजा सीमेंट्स स्विट्जरलैंड की होल्सिम ग्रुप की इकाई है। होल्सिम इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और अंबुजा सीमेंट्स के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ नीरज अखौरी ने कहा` कि कंपनी के निदेशक मंडल ने 3,500 करोड़ रुपए के निवेश को सैद्धान्तिक मंजूरी दे दी है। यह निवेश हम अपनी मौजूदा संकरैल और फरक्का की ग्राइंडिंग इकाइयों तथा बिहार के बाढ़ की नई इकाई में ग्राइंडिंग क्षमता के विस्तार पर करेंगे।

कोल इंडिया ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 57.5 करोड़ टन ईंधन आपूर्ति की

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 57.5 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की है, जो 2020-21 में इस सूखे ईंधन की कुल आपूर्ति से अधिक है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 में 57.45 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की थी। बयान के मुताबिक, ÷वित्त वर्ष 2021-22 के खत्म होने से लगभग डेढ़ महीने पहले 16 फरवरी तक सीआईएल वित्त वर्ष 2020-21 की कुल कोयला आपूर्ति को पार कर चुका है।÷ इस दौरान देश के बिजली संयंत्रों को आपूर्ति सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 46.84 करोड़ टन रही। सीआईएल का मौजूदा कोयला उत्पादन 23 लाख टन प्रतिदिन है और इसे बढ़ाकर मार्च में 26 लाख टन प्रतिदिन या अधिक करने की योजना है।

रत्न, आभूषण क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने पर सरकार का जोर: गोयल

मुंबई: (एजेंसी)

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि देश को आत्मनिर्भर रत्न एवं आभूषण क्षेत्र की जरूरत है और सरकार घरेलू वृद्धि के अलावा निर्यात प्रोत्साहन के लिए भी इस क्षेत्र पर खास ध्यान दे रही है। गोयल ने 'आईआईजेएस सिग्नेचर 2022' के सालाना समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि भारत रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाना चाहता है लिहाजा घरेलू एवं निर्यात वृद्धि दोनों पर ही खास ध्यान रहेगा। गोयल ने कहा कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में रत्न एवं आभूषण क्षेत्र का योगदान सात प्रतिशत है और इसमें करीब 50 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है। उन्होंने कहा, 'बजट 2022 ने इस क्षेत्र की वृद्धि और वैश्विक रत्न एवं आभूषण कारोबार में भारत की मौजूदगी बढ़ाने की राह प्रशस्त की है।' बजट में प्रस्तावित नीतियों से ई-कॉमर्स के जरिए निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा और छोटे विक्रेता भी इस क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने में मददगार बनेंगे। गोयल ने कहा, 'मुझे यकीन है कि यह क्षेत्र चालू वित्त वर्ष के अंत तक 40 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य हासिल करने में सफल रहेगा। गत 31 जनवरी 2022 तक इसका निर्यात 32 अरब डॉलर पर था। इस तरह मार्च के अंत तक रत्न एवं आभूषण निर्यात कोविड-पूर्व स्तर पर पहुंच जाएगा।' चार-दिवसीय इंडिया इंटरनेशनल ज्वैलरी शो सिग्नेचर 2022 में 850 प्रतिभागी शिरकत कर रहे हैं।

इसमें अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, नेपाल, उजबेकिस्तान और बांग्लादेश के कारोबारी भी आए हुए हैं।

इंडिगो के बेड़े में शामिल हुआ ए320 नियो विमान

नई दिल्ली: देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने शुक्रवार को कहा कि उसे एयरबस से पहले ए320 नियो विमान की आपूर्ति मिल गई है, जो टिकाऊ विमानन ईंधन और सामान्य ईंधन के मिश्रण से संचालित होता है। कंपनी ने बताया कि फ्रांस के टूलूज से बृहस्पतिवार को उड़ान भरने वाला ए320 नियो विमान शुक्रवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (आईजीआईए) पर उतरा। इंडिगो के सीईओ रणजॉय दत्त ने कहा, 'हमें इस एयरबस विमान को पाकर खुशी है, जो टिकाऊ विमानन की दिशा में हमारी यात्रा को आगे बढ़ाएगा।'

दिसंबर में जिओ को झटका, सवा करोड़ ग्राहकों का कंपनी से मोहभंग हुआ

मुंबई । रिलायंस जिओ को तगड़ा झटका लगा है। ट्राई की नई रिपोर्ट के अनुसार जिओ के कस्टमर्स कम हुए हैं, लेकिन एयरटेल और बीएसएनएल को फायदा मिला है। ट्राई ने दिसंबर 2021 का डेटा जारी कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार जिओ को लगभग सवा करोड़ कस्टमर्स का नुकसान हुआ है।हालांकि, अभी भी जिओ का मार्केट शेयर सबसे ज्यादा 36 प्रतिशत है।इसके बाद एयरटेल 30.81 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ दूसरे नंबर पर है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वीआई को भी नुकसान हुआ है।वीआई ने 16 लाख यूजर्स गंवाए हैं। दिसंबर महीने में एयरटेल को सबसे ज्यादा फायदा मिला है।कंपनी ने 4.5 लाख कस्टमर्स जोड़े है।दिसंबर महीने में बीएसएनएल को भी फायदा मिला है। एयरटेल के पास दिसंबर में सबसे अधिक सक्रिय वायरलेस सब्सक्राइबर्स थे।जबकि बीएसएनएल और एमटीएनएल के वायरलेस सब्सक्राइबर्स सब्सक्राइबर्स सबसे कम थे।जिओ मामले में 87.64 प्रतिशत सक्रिय वायरलेस सब्सक्रिप्शन के साथ दूसरे नंबर पर रहा। रिपोर्ट के अनुसार जिओ अपने इनएक्टिव कस्टमर्स को हटाने पर काम कर रहा हो। रिपोर्ट में कहा गया कि नवंबर में हुए प्रीपेड टैरिफ हाइक से लो-इनकम वाले यूजर्स बीएसएनएल की ओर चले गए। मार्केट शेयर के हिसाब से एयरटेल दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी है।इसके सक्रिय वायरलेस सब्सक्राइबर्स 98.01 प्रतिशत है।तीसरे स्थान पर 23 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ वीई है, जिसके 86.42 प्रतिशत सक्रिय वायरलेस सब्सक्राइब्रर्स है।

बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 59 अंक नुकसान में रहा

मुंबई, (एजेंसी)

घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 59 अंक टूटकर बंद हुआ। पूर्वी यूरोप में व्याप्त भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच एशिया के अन्य बाजारों में गिरावट को देखते हुए निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में कारोबार के दौरान करीब 700 अंक का उतार-चढ़ाव आया। अंत में यह 59.04 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,832.97 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 28.30 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,276.30 अंक पर बंद हुआ। मुख्य रूप से अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, रिलायंस, बजाज फाइनेंस और नेस्ले में 1.88 प्रतिशत तक की गिरावट से सेंसेक्स नुकसान में रहा। सेंसेक्स के कुल तीस में से 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, ''अमेरिकी शेयर बाजार बृहस्पतिवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। इसका कारण यूक्रेन पर रूस के हमले की आशंका है। अमेरिका तथा उसके सहयोगी देशों ने रूस पर यूक्रेन की सीमा पर सैनिकों की संख्या बढ़ाने का आरोप लगाया है।'' उन्होंने कहा कि इन आशंकाओं के बीच निवेशकों ने सुरक्षित माने जाने वाले अमेरिकी बॉन्ड और सोने में निवेश को तरजीह दी। रूस-यूक्रेन को लेकर तनाव के बीच एशिया के अन्य प्रमुख बाजारों में गिरावट का रुख रहा। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 2.19 प्रतिशत गिरकर 90.93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 1,242.10 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

एसयूवी टाटा नेक्सॉन का आएगा लॉन्ग रेंज वर्जन

-एसयूवी की होगी 400केएम की लंबी रेंज

नई दिल्ली । (एजेंसी)

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा नेक्सॉन का लॉन्ग रेंज वर्जन लाने की तैयारी कर रही है। वर्तमान में टाटा नेक्सॉन ईवी भारत की सबसे पॉप्युलर इलेक्ट्रिक कार है और लंबे समय से ईवी सेगमेंट की बेस्टसेलिंग कार है। इस मॉडल को वर्तमान मॉडल के साथ ही सेल किया जाएगा। नई टाटा नेक्सन को कंपनी ज्यादा लंबी रेंज के साथ लॉन्च करेगी जिससे बायर्स को एक लॉन्ग रेंज का ऑप्शन मिलेगा। नई नेक्सॉन 400 किमी तक की रेंज के साथ आने वाली है। मौजूदा समय में यह कार 312 किमी रेंज के साथ आती है।टाटा नेक्सन ईवी के ऑनगोइंग मॉडल की कीमत 14.29 लाख रुपये से शुरू है और टॉप मॉडल की कीमत 16.9 लाख रुपये है। कार के लॉन्ग रेंज वर्जन की कीमत की घोषणा कंपनी की तरफ से नहीं हुई है पर माना जा रहा है टाटा मोटर्स इसे 17-18 लाख रुपये की प्राइस रेंज में मार्केट में उतार सकता है। टाटा नेक्सन के इस लॉन्ग रेंज वर्जन के बारे में काफी वक्त से खबरें सामने आ रही हैं। कंपनी इस कार को अप्रैल 2022 में लॉन्च कर सकती है। इस कार के मौजूदा मॉडल में पावर के लिए लिथियम आयन बैटरी दी गई है, जो लिक्विड कूल्ड और आईपी67 सर्टिफाइड है। यानी इसकी बैटरी वाटर और रेजिस्टेंट है। आसान भाषा में कहें, तो इसकी बैटरी पर पानी और धूल दोनों का असर नहीं पड़ता है। यू नेक्सॉन ईवी में 30.2 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है। यह इलेक्ट्रिक कार सिंगल चार्ज पर 312 किलोमीटर का रेंज देती है। यानी, एक बार फुल चार्ज करने पर यह कार बिना रुके 312 किलोमीटर तक का सफर देती है। इसका नया इलेक्ट्रिक पावरट्रेन 245 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। यह इलेक्ट्रारि 9.9 सेकंड में 0-100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार हासिल कर लेती है।इस वर्जन के साथ इलेक्ट्रिक वीकल सेगमेंट में कॉम्पटिशन और बढ़ने की संभावना है।

एचयूएल ने दो महीने में लगातार दूसरी बार बढ़ाए साबुन, सर्फ और पाउडर के दाम

- आने वाले सप्ताह में अन्य कंपनियां भी उत्पादों के बढ़ा सकती हैं दाम

नई दिल्ली । महंगे पेट्रोल, डीजल और खाने के तेल के बाद अब साबुन, सर्फ, डिशवॉश जैसे उत्पाद भी महंगे हो गए हैं। दरअसल, देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने फरवरी में इन उत्पादों के दाम 3 से 10 फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। कंपनी ने दो महीने में लगातार दूसरी बार दाम बढ़ाए हैं। एचयूएल का कहना है कि कच्चे माल की ऊंची कीमतों के असर को कम करने के लिए इन उत्पादों के दाम दूसरी बार बढ़ाने का फैसला किया गया है। कीमतों में बढ़ोतरी दिसंबर तिमाही की आय के बाद प्रबंधन ने जैसा कहा था, यह वृद्धि उसी के अनुरूप है। एचयूएल के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) रितेश तिवारी ने कहा कि बढ़ रही लागत को देखते हुए हमारी पहली प्राथमिकता बहुत कठिन बचत करना और फिर चरणबद्ध तरीके से कीमतें बढ़ाना है। जांच में पता चला है कि सर्फ एक्सेल ईजी वॉश, सर्फ एक्सेल क्विक वॉश, विम बार एवं लिक्विड, लक्स एवं रेक्सोना साबुन और पॉन्ड्स टेल्कम पाउडर की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। एचयूएल ने इस साल जनवरी में भी व्हील, रिन, सर्फ एक्सेल और लाइफब्वॉय श्रेणी के उत्पादों के दाम 3-20 फीसदी तक बढ़ाए थे। चाय, कच्चे पाम तेल एवं अन्य कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण कंपनी ने दिसंबर और सितंबर तिमाही में भी दाम बढ़ाए थे। इससे वह उन एफएमसीजी कंपनियों में शामिल हुई थी, जिनका परिचालन आय दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर बढ़ा था। अपने उत्पादों के दम पर हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हिस्सेदारी में दिसंबर तिमाही में 10 वर्षों में सबसे बड़ा विस्तार देखा गया। ऐसे में सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी की ओर से जरूरी उत्पादों की कीमतों में की गई बढ़ोतरी देश में खुदरा महंगाई पर पड़ने वाले असर पर चिंता पैदा करती है। आने वाले सप्ताह में अन्य कंपनियां भी उत्पादों के दाम बढ़ा सकती हैं।

वेदांत समूह भारत में सेमीकंडक्टर कारोबार में 20 अरब डॉलर तक निवेश करेगा

नई दिल्ली: (एजेंसी)

भारतीय कारोबारी समूह वेदांत ने इलेक्ट्रॉनिक चिप और डिस्प्ले विनिर्माण क्षेत्र में प्रवेश के लिए 15 अरब डॉलर का प्रावधान किया है और कंपनी की योजना निवेश को 20 अरब डॉलर तक बढ़ाने की है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सेमीकंडक्टर कारोबार की अगुवाई करने वाली वेदांत समूह की फर्म अवांस्ट्रेट को उम्मीद है कि 2025 तक भारतीय विनिर्माण संयंत्रों से इलेक्ट्रॉनिक चिप और डिस्प्ले तैयार होने लगेंगे। अवांस्ट्रेट के प्रबंध निदेशक आकर्ष हेब्बर ने बताया, ''सेमीकंडक्टर एक दीर्घकालिक व्यवसाय है। हमें उम्मीद है कि लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर डिस्प्ले के लिए लगेंगे। इस समय हमें सेमीकंडक्टर के लिए सात अरब अमेरिकी डॉलर की जरूरत है, जिसमें आगे तीन अरब डॉलर बढ़ाया जा सकता है। पहले 10 साल में हम 15 अरब अमेरिकी डॉलर तक निवेश करेंगे। हम बाद के चरण में आगे के निवेश पर विचार करेंगे।'' अवांस्ट्रेट ने सेमीकंडक्टर संयंत्र और डिस्प्ले विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए आवेदन किया है। वेदांत ने भारत में सेमीकंडक्टर का विनिर्माण करने के लिए फॉक्सकॉन के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत एक संयुक्त उद्यम कंपनी बनाई जाएगी।

भारत में जून-जुलाई तक लॉन्च जीप मेरिडियन

वदेशों में जीप कमांडर नाम से बिकती है यह एसयूवी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

जीप इंडिया ने अपनी तीसरी एसयूवी जीप मेरिडियन की घोषणा की है, जो कि 7 सीटर एसयूवी है और इस साल जून-जुलाई तक इसे भारत में लॉन्च कर दिया जाएगा। तीन कतारों वाली यह एसयूवी विदेशों में जीप कमांडर नाम से बिकती है और अब यह भारत में टाटा सफारी, महिंद्रा एक्सयूवी700, मारुति सुजुकी एक्सएल6, एमजी हेक्टर प्लस, ह्यूंदै अल्कजार और अपकमिंग किआ कारेन्स समेत अन्य एसयूवी से मुकाबला होगा।

जीप इंडिया ने बयान जारी कर बताया कि जीप इस साल भारत में मेड इन इंडिया एसयूवी जीप मेरिडियन लॉन्च करेगी, जो कि कंपनी की यहां पहली 7 सीटर एसयूवी होगी। जीप ब्रैंड की कार बनाने वाली कंपनी स्टेलंटिस के इंडिया सीईओ और एमडी रोलैंड बाउचर ने कहा कि ग्लोबल स्तर पर जीप ब्रैंड की पहचान मुख्य रूप से एसयूवी को लेकर है। हम जीप मेरिडियन के जरिये भारत में भी इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जीप मेरिडियन को खास तौर पर इंजियन रोड और कस्टमर की पसंद को देखकर तैयार किया गया है और इसका प्रोडक्शन कंपनी के रंजनगांव स्थित मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट में होगा। इस मौके पर जीप इंडिया के प्रमुख निपुण जे. महाजन ने कहा कि कंपनी ने अपनी नई 7 सीटर एसयूवी जीप मेरिडियन का कश्मीर से कन्याकुमारी तक हर तरह के इलाके में टेस्ट ड्राइव किया है। इसके परफॉर्मेंस को टेस्ट करने के लिए 5,000 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय की गई है और यह एसयूवी अपनी अच्छी बिल्ड क्वॉलिटी के साथ ही लुक और फीचर्स समेत अन्य सभी जरूरी मानकों पर खड़ी उतरी है।

आगामी जून-जुलाई महीने में जीप मेरिडियन को ऑफिशियली लॉन्च किया जाएगा और उसी समय इसकी कीमत का खुलासा किया जाएगा।

आपको बता दें कि फिलहाल जीप भारत में कंपस और रेंगलर जैसी धांसू एसयूवी बेचती है। भारत में 7 सीटर एसयूवी की अच्छी डिमांड है और आए दिन कंपनियां नई-नई एसयूवी ला रही है।

आईटी कंपनियां मार्च तक 3.6 लाख नए लोगों की नियुक्ति करेगी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की घरेलू कंपनियां चालू वित्त में वर्ष मार्च तक 3.6 लाख नए लोगों की भर्ती करने पर विचार कर रही है। मार्केट इंटेलिजेंस फर्म अनअर्थइनसाइट ने गुरुवार को यह बात कही। कंपनी ने आईटी उद्योग पर अंतर्दृष्टि और पूर्वानुमान की अपनी रिपोर्ट में कहा कि आईटी क्षेत्र में चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में नौकरी छोड़ने की दर 22.3 प्रतिशत रही है। इससे पिछली यानी दूसरी तिमाही में यह संख्या 19.5 प्रतिशत थी जबकि चौथी तिमाही में इसके 22 से 24 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 2022-23 से हालांकि इस स्थिति में सुधार होगा और इस दौरान नौकरी छोड़ने वाले लोगों की संख्या 16 से 18 प्रतिशत तक आने की संभावना है। अनअर्थइनसाइट के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी गौरव वासु ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों के दौरान देश में गंभीर कोरोना वायरस महामारी की लहर के बावजूद आईटी उद्योग की वृद्धि बरकरार है। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष में आईटी उद्योग द्वारा अबतक की सबसे अच्छी आय वृद्धि हासिल करने की संभावना है।

रेलवे के युवराज सिंह ने चटकाए 5 विकेट, कर्नाटक का स्कोर 481 रन

खेल डैस्क । रणजी ट्रॉफी के तहत कर्नाटक के खिलाफ खेले गए मैच में रेलवे के गेंदबाज युवराज सिंह ने 93 रन देकर 5 विकेट लिए। हालांकि बावजूद इसके कर्नाटक की टीम पहली पारी में 481 रन बनाने में सफल रही। जवाब में खेलने उतरी रेलवे ने तीन विकेट के नुकसान पर 213 रन बना लिए हैं। अरिनधम घोष 78 तो मोहम्मद सैफ 8 रन बनाकर क्रीज पर बने हुए हैं। इससे पहले कर्नाटक ने रणजी सत्र के पहले मैच में मजबूत शुरूआत की थी। मयंक के 16 तो देवदत्त पड्डिकल के 21 रनों पर आऊट होने के बाद सिद्धार्थ ने 250 गेंदों में 146 तो कप्तान मनीष पांडे ने 121 गेंदों पर 12 चौके और 10 छक्कों की मदद से 156 रन बनाए। दोनों जब तक क्रीज पर थे ऐसे लग रहा था कि कर्नाटक 600 रनों तक पहुंच जाएगा। लेकिन तभी युवराज सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए विकेट निकले और कर्नाटक को 500 रनों के अंदर ही रोक लिया। युवराज ने गेंदबाजी करते हुए देवदत्त पड्डिकल, सिद्धार्थ, के. गौथम, विजयकुमार और विद्याधर पाटिल के विकेट लिए। युवराज के अलावा अमित मिश्रा ने 97 रन देकर एक, अविनाश यादव ने 156 रन देकर एक, शिवम चौधरी ने 22 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। वहीं, कर्नाटक की ओर से गेंदबाजी करते हुए के. गौथम ने अपनी शानदार लय दिखाई। उन्होंने रेलवे के गिरे तीनों विकेट चटकाए हैं।

मैक्सवेल और इंग्लिस

मैक्सवेल और इंग्लिस की शानदार पारी, ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराया

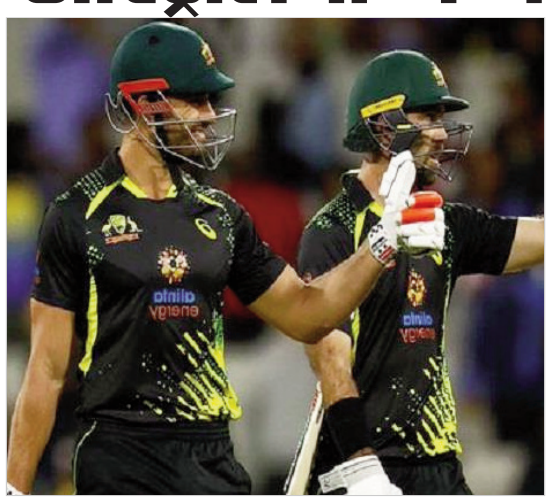

मेलबर्न ।

विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस (40) की तूफानी पारी और अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल (48) की जुझारू पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को यहां चौथे टी-20 क्रिकेट मैच में श्रीलंका को एकतरफा अंदाज में 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 4-0 की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीत कर फील्डिंग चुनी और नपी-तुली गेंदबाजी करते हुए मेहमान टीम श्रीलंका को 20 ओवर में 8 विकेट पर 139 रन पर रोक दिया। फिर जवाब में इंग्लिस और मैक्सवेल की शानदार पारियों की बदौलत 18.1 ओवर में 4 विकेट पर 143 रन बना कर मैच जीत लिया। मैक्सवेल ने 19वें ओवर की पहली गेंद पर डीप मिडविकेट पर चौका जड़ कर मैच जिताया। उन्होंने ओवरऑल तीन चौकों की मदद से 39 गेंदों पर नाबाद 48 रन बनाए। वहीं इंग्लिस ने तीन चौकों और दो छक्कों के सहारे 20 गेंदों पर 40 रन की तूफानी पारी खेली। इससे पहले गेंदबाजी में झाई रिचडर्सन और केन रिचडर्सन ने दो-दो तथा एश्टन एगर और एडम जम्पा ने एक-एक विकेट लिया। मैक्सवेल को मैच विजयी पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। श्रीलंका की तरफ से सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका ने चार चौकों की मदद से 40 गेंदों पर सर्वाधिक 47, जबकि कुशल मेंडिस ने एक चौके और दो छक्कों के सहारे 21 गेंदों पर 27 रन बनाए। वहीं गेंदबाजी में लहिरू कुमारा ने दो तथा महेश थीक्षाना और दुष्मंत चमीरा ने एक-एक विकेट लिया। दोनों टीमें अब रविवार को मेलबोर्न में ही सीरीज का पांचवां और आखिरी टी-20 मैच खेलेंगी।

बिहार के साकिबुल गनी ने रणजी ट्रॉफी में डेब्यू पर जड़ा तिहरा शतक, बनाया बड़ा रिकॉर्ड

स्पोर्ट्स डेस्क ।

बिहार के खिलाड़ी सकिबुल गनी ने रणजी ट्रॉफी में इतिहास रच दिया है। सकिबुल गनी ने अपने फर्स्ट क्लास के डेब्यू मैच में ही तिहरा शतक लगा दिया है और वह ऐसा करने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं। सकिबुल ने मिजोरम के खिलाफ खेले तिहरा शतक जड़ कर यह बड़ उपलब्धि अपने नाम की। सकिबुल ने तिहरा शतक लगाने के लिए 387 गेंदों का सामना किया और तिहरा शतक जड़ा। सकिबुल गनी ने मिजोरम के खिलाफ 405 गेंदों का सामना करते हुए 341 रन की बेमिसाल पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 56 चौके और 2 छक्के लगाए। इससे पहले फर्स्ट क्लास के डेब्यू मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अजय रोहेरा के नाम था। उन्होंने मध्यप्रदेश की तरफ से खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 267 रन की पारी खेली थी। बिहार की टीम एक समय पर 71 रन पर 3 विकेट गंवाकर मुश्किल स्थिति में थी। ऐसे में साकिबुल गनी और बाबुल कुमार ने रिकॉर्ड साझेदारी निभाई। दोनों ही बल्लेबाजों ने 756 गेंदों का सामना करते हुए चौथे विकेट के लिए 538 रन की साझेदारी निभाई। यह रणजी ट्रॉफी की चौथे विकेट लिए चौथी सबसे बड़ी साझेदारी है। जहां साकिबुल ने तिहरा शतक लगाया तो वहीं बाबुल कुमार दोहरा शतक लगाया। साकिबुल गनी बिहार के मोतिहारी के रहने वाले हैं। उनका जन्म 2 सितंबर 1999 को हुआ। वह अब तक 14 लिस्ट ए मैचों में हिस्सा ले चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 337 रन बनाए जिसमें एक अर्धशतक और एक शतक लगाया। वहीं 11 टी20 मैचों उन्होंने 192 रन बनाए हैं।

दूसरे टी20 मैच में वेस्टइंडीज कप्तान किरोन पोलार्ड बनाएंगे यह बड़ा रिकॉर्ड

कोलकाता । वेस्टइंडीज की सफेद गेंद क्रिकेट टीम के कप्तान कीरोन पोलार्ड आज रात को कोलकाता के ईडन गाडर्न्स क्रिकेट ग्राउंड पर अपना 100वां टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे। वह पुरुष क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले वेस्ट इंडीज के पहले और दुनिया के नौंवे खिलाड़ी होंगे। पोलार्ड ने अब तक खेले 99 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बल्ले और गेंद दोनों के साथ शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया है। उन्होंने जहां बल्लेबाजी में 25.59 के औसत से छह अर्धशतकों समेत कुल 1561 रन बनाए हैं, वहीं गेंदबाजी में 27.95 के औसत से 42 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन 75 रन, जबकि सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 25 रन पर 4 विकेट है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के अनुभवी एवं सीनियर खिलाड़ी शोएब मलिक ने अब तक सर्वाधिक 124 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 2435 रन बनाए हैं। वहीं भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 120 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और वह 3237 रनों के साथ विश्व के दूसरे सर्वाधिक टी-20 रन स्कोरर हैं। न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल 112 मैचों में 3299 रनों के साथ सर्वाधिक टी-20 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप के नॉकआउट में जगह नहीं बना सकी भारतीय टीम

शाह आलम ।

बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप में भारत का अभियान खत्म हो गया चूंकि पुरूष और महिला टीमें शुक्रवार को अपने अपने मुकाबले हारने के बाद नॉकआउट में जगह नहीं बना सकीं। पुरूष टीम को तीन बार की चैम्पियन इंडोनेशिया ने 3-2 से हराया जबकि महिला टीम को जापान ने 4-1 से मात दी। इससे पहले भारतीय पुरूष टीम कोरिया से 0-5 से हार गई थी और हांगकांग को 3-2 से हराया था। उसे नॉकआउट चरण में पहुंचने के लिए हर हालत में इंडोनेशिया को हराना था। भारत ग्रुप में इंडोनेशिया और कोरिया के बाद तीसरे स्थान पर रहा। महिला टीम को भी नॉकआउट में प्रवेश के लिए जीत की जरूरत थी। विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने पुरूष वर्ग में चिको ओरा डी वार्डोयो को 21-18, 27-25 से हराया। युगल वर्ग में हालांकि दो अनुभवहीन जोड़ियों और एकल खिलाड़ी किरण जॉर्ज को पराजय का सामना करना पड़ा। मनजीत सिंह के और डिंकू सिंह के को लियो रोली कारनाडो और डेनियल मार्टिन ने 21-16, 21-10 से मात दी। इसके बाद इखसान लियोनार्डो इमैन्युअल रूंबे ने किरण को 2-13, 17-21, 21-10 से हराया। भारत के हरिहरन अम्साकारूनन और रूबेन आर कुमार को मोहम्मद शोहिबुल फिकरी और बागास मौलाना ने 21-10, 21-10 से हराया। मंजूनाथ मिथुन ने योनाथन रामली को 21-12, 15-21, 21-17

से मात दी। महिला वर्ग में भारत की आकृषि कश्यप पहले मैच में नत्सुकी निदाइरा से 13-21, 21-18, 15-21 से हार गई। असम की अष्मिता चालिहा ने रिको गुंजी को 21-17, 10-21, 21-19 से हराया। युगल वर्ग में दोनों मैचों में भारत को पराजय मिली और तारा शाह भी अपना मुकाबला हार गई। खुशी गुप्ता और सिमरन सिंघी को रूड हिरोकामी और युना कातो ने 21-15, 21-16 से हराया जबकि तारा को हिना अकेची ने 21-12, 21-16 से मात दी। अरूल बाला राधाकृष्णन और निला वालुवान को रिको गुंजी और नत्सुकी निदाइरा ने 21-10, 21-15 से हराया।

संक्षिप्त समाचार

शानदार डेब्यू पर बोले रवि बिश्नोई के पिता, कहा- खुशी है कि बेटे को उसका पैशन फॉलो करने दिया

स्पोर्ट्स डेस्क । रवि बिश्नोई ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मैच में डेब्यू किया और शानदार गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट अपने नाम किए। लेग स्पिनर ने अपने 4 ओवर में मात्र 17 रन दिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। बिश्नोई के पिता मांगिलाल बिश्नोई ने खुलासा किया है कि जब रवि बिश्नोई गेंदबाजी कर रहे थे, तब उनका घर मेहमानों से भरा हुआ था और उन्हें अपने बेटे को भारतीय जर्सी में गेंदबाजी करते देखकर बहुत गर्व महसूस हुआ। बिश्नोई ने पिता ने एक समाचार पत्र से बातचीत में कहा कि पूरा घर मेहमानों से भरा हुआ था। हम सभी ने रवि को गेंदबाजी करते देखा। यह इतनी शानदार रात थी और मेरे बेटे को भारत की जर्सी में देखना बहुत गर्व का क्षण था। वह स्कूल में खराब प्रदर्शन कर रहा था और मुझे उसके प्रदर्शन के बारे में शिकायत करने वाले शिक्षकों के फोन आते थे। मैंने उसे पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मनाने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह और उसके कोच प्रद्योत सिंह राठौर थे। यह शाहरुख पठान थे, जो अंततः पास हो गए। मैंने उसे गेम खेलने के लिए मना लिया। मुझे खुशी है कि मैंने उसे उसका पैशन फॉलो करने दिया। गौर हो कि रवि बिश्नोई को लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल 2022 से पहले 4 करोड़ रुपये में खरीदा है। वह केएल राहुल की कप्तानी में टीम में गेंदबाजी करते नजर आएंगे। बिश्नोई ने आईपीएल में 23 मैच खेले हैं और 25.25 के औसत और 21.75 के स्ट्राइक रेट से 24 विकेट लिए हैं।

सरफराज खान का दोहरा शतक, 30 चौके और 7 छक्कों सहित खेली इतने रन की विशाल पारी

अहमदाबाद । मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान की 275 रन की पारी की मदद से मुंबई ने रणजी ट्राफी ग्रुप डी मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ शुक्रवार को यहां अपनी पहली पारी सात विकेट पर 544 रन बनाकर समाप्त घोषित की। सौराष्ट्र ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 18 रन बनाए। हार्विक देसाई छह और स्नेल पटेल 11 रन पर खेल रहे हैं। तीसरे दिन सभी की निगाहें चेतेश्वर पुजारा पर टिकी रहेंगी जो बड़ा स्कोर बनाने के लिए जूझ रहे हैं। भारतीय टीम के उनके साथी अजिंक्य रहाणे 129 रन बनाकर श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए अपना दावा पेश कर चुके हैं। मुंबई की पारी का आकर्षण हालांकि सरफराज का दोहरा शतक रहा जिसके लिए उन्होंने 401 गेंदें खेली तथा 30 चौके और सात छक्के लगाये। उन्होंने और रहाणे ने चौथे विकेट के लिये 252 रन की साझेदारी की। निचले क्रम में तनुष कोटियान ने नाबाद 50 रन की पारी खेली। इसी ग्रुप के एक अन्य मैच में ओड़िशा ने गोवा पर पहली पारी में आठ रन की मामूली बढ़त हासिल की। ओड़िशा ने रूपेश धूपर (नाबाद 71) रन की पारी से गोवा के 181 रन के जवाब में 189 रन बनाए।

विराट श्रीलंका सीरीज से हो सकते हैं बाहर, इन दो बड़े खिलाड़ियों की हो रही है वापसी

मुंबई ।

स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भारतीय टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। कानपुर में नवंबर 2021 के अंत में भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच के बाद से क्रिकेट एक्शन से दूर जडेजा श्रीलंका के खिलाफ आगामी सीरीज में टीम का हिस्सा होंगे। इस बीच पूर्व कप्तान विराट कोहली को श्रीलंका टी-20 सीरीज के लिए ब्रेक दिए जाने की संभावना है। फिलहाल इस बारे में विराट की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन उनके और भारतीय टीम के करीबी सूत्रों ने बताया है कि विराट को टी-20 सीरीज से आराम दिया जा सकता है। वह हालांकि टेस्ट सीरीज के लिए वापसी कर सकते हैं जिसका मतलब है कि वह मोहाली में अपना 100वां टेस्ट मैच खेल सकते हैं, जहां 4 मार्च से भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा, लेकिन अगर वह अपने ब्रेक को बढ़ाते हैं तो उनका 100वां टेस्ट बेंगलुरु में होगा, जहां सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट मैच खेला जाएगा। खबरों के मुताबिक यह लगभग तय है कि जडेजा को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया जाए, लेकिन अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह टेस्ट श्रृंखला से पहले तीन मैचों की टी-20 सीरीज भी खेल सकते हैं। वहीं बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे जडेजा पहले ही लखनऊ पहुंच चुके हैं, जहां भारतीय टीम 24 फरवरी को श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मैच खेलेगी। समझा जाता है कि वह लखनऊ के एक होटल में क्वारंटाइन में हैं और उनका कोरोना टेस्ट किया गया है और अगर वह नेगेटिव आते हैं तो वह टी-20 टीम का हिस्सा हो सकते हैं। जडेजा के अलावा भारतीय तेज गेंदबाजी की रीढ़ जसप्रीत बुमराह की भी वापसी की उम्मीद है। जडेजा और बुमराह दोनों को वेस्ट इंडीज के खिलाफ मौजूदा सफेद गेंद श्रृंखला से अलग-अलग कारणों से टीम में शामिल नहीं किया गया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 26 जनवरी को एक बयान में कहा था कि बुमराह को मोहम्मद शमी और जडेजा के साथ वेस्ट इंडीज श्रृंखला के लिए आराम दिया गया है। वह घुटने की चोट के बाद रिहैबिलिएटेशन के अंतिम चरण से गुजर रहे हैं ।

पीएसएल : रिले रोसौव के 26 गेंदों में 71 रन, मुलतान सुलतान ने 20 ओवरों में ठोके 245 रन

खेल डैस्क । पाकिस्तान सुपर लीग में मुलतान सुलतान ने क्वेटा ग्लेडिएटर्स के खिलाफ खेलते हुए बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मुलतान की ओर से तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाकर स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 245 रन पर ला खड़ा किया। यह पीएसएल के इतिहास का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। मुलतान की ओर से रिले रोसौव ने 26 गेंदों में 9 चौके और 4 छक्कों की मदद से 71 रन बनाए। जबकि रिजवान ने 83 रनों का योगदान दिया। मुलतान सुलतान के बल्लेबाजों ने क्वेटा के गेंदबाजों को शुरूआत से ही जमकर पीटा। ओपनिंग पर आए शान मसूद और मोहम्मद रिजवान ने पहले विकेट के लिए 119 रन बनाए। मसूद ने 38 गेंदों में 6 चौके और 1 छक्के की मद से 57 रन बनाए। इसके बाद रिजवान ने रोसो के साथ साझेदारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने महज छह ओवरों में ही 100 से ज्यादा स्कोर बना दिया। इस दौरान रिले रोसौव ने 26 गेंदों में 71 रन बनाए। जबकि रिजवान ने 83 रनों के लिए 54 गेंदें खेलीं और 7 चौके और 3 छक्के लगाए। क्वेटा के अगर गेंदबाजों की बात की जाए तो इरफान ने 3.3 ओवरों में 28 रन देकर एक विकेट लिया। सोहेल तनवीर ने 52 रन लुटाए तो नसीम शाह ने चार ओवरों में 41 रन। इसी तरह गुलाम मुद्दसर ने 56 तो नूर अहमद ने 52 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी क्वेटा ग्लेडिएटर्स की शुरूआत खराब रही। क्वेटा ने महज 23 रन पर ही दो विकेट गंवा लिए थे। अपने शानदार पारी के बाद रिले रोसौव ने अपने बल्लेबाजी पर बात की। उन्होंने कहा कि हमारी बल्लेबाजी गहरी है। इसलिए मैं बस मस्ती करना चाह रहा था। मैं हैमस्ट्रिंग के कारण ज्यादा दौड़ना नहीं चाहता था, इसलिए बस मजा कर रहा था। यह मेरे लिए एक अप और डाउन रोड रहा है। मेरी किस्मत अच्छी थी और यह इन टी20 में महत्वपूर्ण है।

खुद को साबित करने के लिए मौके चाहिए, टीम जिस क्रम पर चाहेगी बल्लेबाजी करूंगा : यश धुल

नई दिल्ली । यश धुल को हमेशा से पता था कि जूनियर स्तर से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में आसानी से पदार्पण तभी होगा जब वह चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहे और इसी वजह से तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली के लिए पहला रणजी मैच खेलते हुए उन्हें कामयाबी मिली। अंडर 19 विश्व कप विजेता कप्तान अपने कैरियर में मध्यक्रम के बल्लेबाज रहे हैं लेकिन तमिलनाडु जैसी मजबूत टीम के खिलाफ उन्होंने पारी का आगाज करते हुए 113 रन बनाए। धुल ने कहा, 'मेरे क्रिकेट करियर में कई कोच रहे लेकिन बचपन से राजेश नागर सर ने मेरा मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा था कि रणजी ट्रॉफी में मुझे पारी की शुरूआत करनी पड़ सकती है और मुझे इसके लिए तैयार रहना होगा। दिल्ली क्रिकेट में कई ऐसे उदाहरण हैं जब युवा क्रिकेटर प्रतिभाशाली होने के बावजूद शुरूआती चकाचौंध में खो गए। धुल ने कहा, 'टीम की जरूरत के हिसाब से आपको तालमेल बिठाना है और इसमें कोई सवाल ही नहीं उठाता। मैं किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए तैयार हूं।

हरनप्रीत के बचाव में आए महिला टीम के कोच रमेश पोवार, दिया यह बयान

क्वीन्सटाउन ।

खराब दौर से गुजर रही स्टार बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर के बचाव में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रमेश पोवार ने शुक्रवार को सामने आते हुए कहा कि यह उनके ऊपर है कि वह जल्द फॉर्म में वापस पाएं। 32 वर्षीय कौर को चयनकर्ताओं के साथ-साथ कोच पवार द्वारा काफी मौके दिए गए हैं। उन्होंने 2017 विश्व कप सेमीफाइनल में नाबाद 171 रन बनाने के बाद से वनडे फॉर्मेट में केवल दो बार ही 50 से अधिक स्कोर बनाया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान डायना एडुल्जी का मानना है कि चार साल पहले 2017 विश्व कप में खेली गई नाबाद 171 रन की पारी की बदौलत ही हरमनप्रीत कौर टीम में नहीं रह सकतीं। उनका मानना है कि भारतीय टीम प्रबंधन को अब हरमनप्रीत से आगे सोचना चाहिए। 32 वर्षीय हरमनप्रीत पिछले साल फिटनेस से जूझ रही थीं, लेकिन महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था। उनसे भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय सीरीज में उस प्रदर्शन को दोहराने की उम्मीद की गई थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में भारत को तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा और टीम तीन मैचों की श्रृंखला 0-3 से पिछड़ गई। हरमनप्रीत कीवी टीम के खिलाफ अपनी तीन पारियों मे केवल 10, 10 और 13 रन ही बना सकी। पोवार ने सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मैं अपने बयान पर कायम रहूंगा कि फॉर्म में वापस आना हरमन पर निर्भर है, क्योंकि खिलाड़ी का दिमाग ही है, जो दबाव की स्थिति में काम करता है। उन्हें दबाव से बाहर आना है और अच्छा करना है। दिलचस्प बात यह है कि पोवार ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला से पहले भारत की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी इसी तरह का बयान दिया था, जो आगामी 50-ओवर के विश्व कप के लिए अंतिम तैयारी है। हालांकि हरमनप्रीत का भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करना बाकी है। मिताली राज की अगुवाई वाली टीम आइसोलेशन से बाहर होने के बावजूद सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और तेज गेंदबाज मेघना सिंह की सेवाएं नहीं ले सकी थीं। मंधाना और मेघना की अनुपस्थिति के बारे में पूछे जाने पर पोवार ने कहा कि कुछ गोपनीयता है जिसका हमें सम्मान करना है, क्योंकि हम एक विदेशी धरती पर हैं और हमें उनके नियमों और विनियमों को मानना है। जहां तक स्मृति का संबंध है, वह अगले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगी। मेघना और मंधाना अगले मैच के लिए उपलब्ध हैं। सब्भिनेनी मेघना (61) और शैफाली वर्मा (51) ने भारत को अच्छी शुरुआत दी और 100 रनों की ओपनिंग पाटर्नरशिप की। हालांकि, मध्यक्रम के संकट ने एक बार फिर सही शुरुआत को खराब कर दिया। हालांकि, दीप्ति शर्मा की नाबाद रन-ए-बॉल 69 ने भारत को 279 पोस्ट करने में मदद की। पोवार को भारत की खामी को स्वीकार करने में कोई गुरेज नहीं हुआ। उन्होंने जोर देकर कह कि बहुत सारी सकारात्मकताएं भी थीं। मैं अपने खिलाड़ियों को कंसिसटेंट नहीं होने के लिए दोष नहीं देना चाहता। यहां अभ्यास की कमी, मैच सिमुलेशन और उचित मैचों की कमी के कारण ऐसा हो रहा है। कुछ चीजें हैं जिन्हें हम ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। टीम में प्रत्येक खिलाड़ी को समय देना चाहते हैं। मैं तानिया (भाटिया) को कुछ खेल का समय देना चाहता था। ऋचा (घोष)) ने अच्छा प्रदर्शन किया है। एक वकलोंड है, हमने अपने वास्तविक तेज गेंदबाजों को मिस किया। अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने भारत के लिए अच्छी शुरुआत की। दो विकेट लेकर गेंदबाजों के लिए गति निर्धारित की, लेकिन बीच के ओवरों में रन बनने और मिसफील्डिंग ने न्यूजीलैंड को खेल में वापस ला दिया। इस दौरान अमेलिया केर (67) और एमी सैटर्थवेट (59) ने तीसरे विकेट के लिए 103 रनों की ठोस साझेदारी की। भारत के पास मौका था लेकिन वह उसे हासिल नहीं कर सका और लॉरेन डाउन (नाबाद 64) और फ्रांसेस मैके (नाबाद 17) ने न्यूजीलैंड को मैच जिता दिया। जब हम एक टी20 और तीन ओडीआई का आकलन करते हैं, तो हमारे पास सिर्फ तीन दिनों का अभ्यास था। कम समय में आप प्रतिस्पर्धी श्रृंखला में नहीं उतर सकते।

पाकिस्तान ने सार्थक सहयोग दिया होता तो अफगानिस्तान में हालात अलग होतेः अमेरिकी राजनयिक

वाशिंगटन।

अफगानिस्तान मामले पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक थॉमस वेस्ट ने कहा है कि अगर पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में संघर्ष को समाप्त करने के लिए हुए समझौते को लेकर अधिक सार्थक व सुसंगत तरीके से अमेरिका के साथ सहयोग दिया होता, तो हम एक अलग जगह पर होते। वेस्ट को अक्टूबर 2021 में अफगानिस्तान के लिए अमेरिका का विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया गया था, और अमेरिकी व नाटो बलों की वापसी तथा तालिबान के नियंत्रण के बाद अफगानिस्तान में अमेरिकी उद्देश्यों पर काम करने का जिम्मा सौंपा गया था। अमेरिका और तालिबान के साथ उसकी वार्ता के विषय पर मंगलवार को वाशिंगटन में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वेस्ट ने कहा, वार्ता के दौरान, जनवरी से अगस्त तक, और पहले के वर्षों में, हम कुछ कदमों के संबंध में पाकिस्तान के नेतृत्व के साथ बहुत निकट संपर्क में थे। हमने पाकिस्तान से बातचीत के जरिये इस संघर्ष के समाधान की संभावनाओं को बढ़ाने का आग्रह किया था।

उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान ने उनमें से कुछ कदम अफगानिस्तान में संघर्ष को समाप्त करने के लिए हुए समझौते को लेकर अधिक सार्थक व सुसंगत तरीके से अमेरिका के साथ सहयोग किया होता, तो हम एक अलग जगह पर होते।

यूक्रेन संकट पर भारत बोला-तनाव बढ़ाने वाला कोई भी कदम उठाने से बचना चाहिए, रूस ने की तारीफ

इंटरनेशनल डेस्क।

रूस ने यूक्रेन संकट पर भारत के संतुलित और स्वतंत्र रुख की शुक्रवार को सराहना की। पूर्वी यूरोप में स्थित देश (यूक्रेन) को लेकर उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देशों और रूस के बीच तनाव बढ़ने के मद्देनजर भारत के रुख पर रूस का यह बयान आया है। बता दें कि एक दिन पहले भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा था कि 'शांत एवं रचनात्मक कूटनीति' वक्त की दरकार है और तनाव बढ़ाने वाला कोई भी कदम उठाने से बचना चाहिए। नई दिल्ली में स्थित रूसी दूतावास ने कहा, ''हम भारत के संतुलित, सैद्धांतिक और स्वतंत्र रुख का स्वागत करते हैं। यक्रेन संकट पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में, संयुक्त राष्ट्र के लिए भारत के स्थायी प्रतिनधि टी. एस. तिरुमूर्ति ने तत्काल तनाव घटाने की गुरुवार को अपील की। दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने भी कहा कि भारत तत्काल तनाव घटाने और संकट का समाधान सतत कूटनीतिक वार्ता से करने का समर्थक रहा है। रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास करीब एक लाख सैनिकों का जमावड़ा कर रखा है। इसके अलावा वह नौसेना अभ्यास के लिए काला सागर में युद्ध पोत भी भेज रहा है, जिससे नाटो देशों के बीचयह अंदेशा बढ़ गया है कि यूक्रेन पर रूस हमला कर सकता है। हालांकि, रूस ने यूक्रेन पर हमला यह अंदेशा बढ़ गया है कि यूक्रेन पर रूस हमल कर सकता है। हालांकि, रूस ने यूक्रेन पर हमला करने की योजन से इनकार किया है।

रूस अगले कुछ दिनों में यूक्रेन पर हमला कर सकता हैः बाइडन

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस बात के कई संकेत हैं कि रूस अगले कुछ दिनों में यूक्रेन पर हमला कर सकता है। रूस और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के बीच बाइडन की यह टिप्पणी आई है। इससे इस बात की आशंका बढ़ गई है कि मास्को यूक्रेन पर हमला करने की योजना बना रहा है। रूस ने हालांकि कहा है कि उसकी यूक्रेन पर हमला करने की कोई योजना नहीं है। बाइडन ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, ''हमारे पास ऐसे कई संकेत है कि वे (रूस) यूक्रेन में घुसने, यूक्रेन पर हमला करने के लिए तैयार हैं।'' उन्होंने कहा कि यूक्रेन से लगी सीमा से रूसी सेना की वापसी के दावे पर अमेरिका को कोई संकेत नहीं नजर आया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास ''विश्वास करने का कारण है कि रूस बनावटी बातें कर रहा है ताकि वह अंदर जाने का बहाना तलाश सके।''बाइडन ने सवालों के जवाब में कहा कि यूक्रेन पर रूसी हमले का खतरा अभी बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा कि हमला अगले कुछ दिनों में हो सकता है और उन्होंने यूक्रेन पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्रतिक्रिया को नहीं पढ़ा है। कई खबरों के अनुसार, रूस ने यूक्रेन की सीमाओं के आसपास लगभग 1,50,000 बलों को तैनात किया है। 'सीएनएन' ने विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया गया कि बाइडन प्रशासन द्वारा क्रेमलिन को तीन सप्ताह पहले एक लिखित दस्तावेज दिए जाने के बाद अमेरिका को रूस से जवाब मिला है।

इस बीच मास्को ने रूस में अमेरिकी दूतावास में दूसरे सबसे वरिष्ठ राजनयिक को निष्कासित कर दिया है।

वित्तीय धोखाधड़ी केसः पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समन जारी, 21 दिन के अंदर जज के सामने पेश होने के आदेश

इंटरनेशनल डेस्क।

अमेरिका में एक न्यायाधीश ने गुरुवार को आदेश दिया कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी कारोबारी गतिविधियों की जांच के सिलसिले में सवालों के जवाब दर्ज कराएं। न्यायाधीश आर्थर एग्नोरोन ने आदेश दिया कि ट्रंप और उनके दो बच्चे इवांका तथा डोनाल्ड ट्रंप जूनियर न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल लेतिशिया जेम्स द्वारा दिसंबर में जारी किए गए सम्मन का पालन करें। उन्होंने कहा कि ट्रंप और उनके दो बच्चे 21 दिनों के अंदर अपने बयान दर्ज कराएं। न्यायाधीश ने ट्रंप और जेम्स के कार्यालय के वकीलों की दो घंटे तक चली जिरह के बाद यह फैसला दिया। अदालत ने कहा कि अंतिम विश्लेषण में, राज्य के अटॉर्नी जनरल ने एक कारोबारी ईकाई की जांच शुरू की और संभावित वित्तीय धोखाधड़ी के प्रचुर सबूतों का पता लगाया तथा वह इस कारोबार से जुड़े कई लोगों से सवाल-जवाब करना चाहती हैं। उनके पास ऐसा करने का स्पष्ट अधिकार है। इस फैसले के खिलाफ अपील की जा सकती है। ट्रंप के प्रवक्ता ने अभी इस फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। जेम्स ने कहा कि उनकी जांच में ऐसे सबूत मिले हैं कि ट्रंप की कंपनी ने कर्ज और कर में छूट लेने के लिए गोल्फ कोर्स और स्काईस्क्रैपर्स जैसी संपत्तियों के मूल्यांकन में ''फर्जीवाड़ा किया।

संक्षिप्त समाचार

उपग्रह तस्वीरों में दिखी जंग की आहट, रूस की सेना ने यूक्रेन को घेरा...बेलारूस व क्रीमिया में लड़ाकू विमान तैनात

इंटरनेशनल डेस्क। वाणिज्यिक उपग्रह से प्राप्त चित्रों में सामने आया है कि रूस की सेनाएं यूक्रेन को घेर रही हैं हालांकि, इस तस्वीरों की अपनी सीमाएं हैं। मैक्सर जैसी कंपनियों के वाणिज्यिक उपग्रहों से हाल में प्राप्त उच्च गुणवत्ता वाले चित्रों में सामने आया है कि यूक्रेन से लगती सीमा पर रूस के सैनिक, एयरफील्ड और तोपखाना तैनात किया जा रहा है। दक्षिण बेलारूस और क्रीमिया में भी सैन्य जमावड़े की गतिविधियां सामने आई हैं जिसे रूस से 2014 में यूक्रेन से हथिया लिया था। इन तस्वीरों से अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के अधिकारियों के दावे सही प्रतीत होते हैं कि रूसी सेनाएं उस स्थिति में हैं जहां से वह यूक्रेन पर हमला कर सकती हैं। हालांकि, वाणिज्यिक उपग्रहों से प्राप्त तस्वीरों में इसकी पुष्टि नहीं हो सकती कि रूस के कितने सैनिक एकत्र हैं या यूक्रेन पर हमला होगा या नहीं। अमेरिकी नौसेना के सेवानिवृत्त एडमिरल जेम्स स्टाव्रिडिस ने कहा कि मैक्सर से प्राप्त तस्वीरों से अच्छी जानकारी मिल सकती है लेकिन उतनी सटीक सूचना नहीं मिल सकती जितना अमेरिकी नेताओं को मिलती है।

ब्रिटेन ने रूस के साथ तनाव के बीच गोल्डन वीजा व्यवस्था खत्म की

लंदन। ब्रिटेन की सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि सुरक्षा चिंताओं के बीच अमीर विदेशी निवेशकों को निवास की पेशकश करने वाली तथाकथित गोल्डन वीजा व्यवस्था को वह समाप्त कर रहा है। गौरतलब है कि ब्रिटेन पर लगातार रूस के साथ अपने संबंधों की समीक्षा करने का दबाव बन रहा था। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि टियर-1 निवेशक वीजा व्यवस्था ने भ्रष्ट अमीर लोगों को ब्रिटेन में पहुंच के अवसर प्रदान किए हैं। मंत्रालय ने कहा कि कुछ मामलों में इस वीजा के कारण सुरक्षा चिंताएं पैदा हुई हैं। उसने कहा कि कई मामलों में गैरकानूनी तरीके से धन कमाने वाले और भ्रष्टाचार से जुड़े लोगों ने भी इस वीजा का अनुचित लाभ उठाया है। ब्रिटेन में 20 लाख पाउंड (27 लाख अमेरिकी डॉलर) या उससे ज्यादा की राशि का निवेश करने वालों को देश में निवास करने की पेशकश की जाती है और उन्हें परिवार को भी साथ रखने की अनुमति दी जाती है। यह वीजा संबंधी यह नियम 2008 से प्रभावी है। सरकार ने कहा है कि वह तत्काल प्रभाव से सभी देशों के नागरिकों के लिए इस वीजा सुविधा को बंद कर रही है। ऐसे अधिकतर वीजा धारक रूसी है। आलोचक लंबे समय से यह सवाल करते रहे हैं कि क्या इस नीति के जरिए ब्रिटेन में धनशोधन की सुविधा प्रदान की जा रही है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की आशंका को देखते हुए ब्रिटेन में रूस की पहुंच को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। गृह मंत्री प्रीति पटेल ने कहा कि सरकार का यह कदम अवैध धन/वित्त पर लगाम लगाने के लिए है। उन्होंने कहा, ''मैं सुनिश्चित करना चाहती हूं कि ब्रिटेन के लोगों का तंत्र में विश्वास बना रहे। गृह मंत्री प्रीति पटेल ने कहा कि सरकार का यह कदम अवैध धन/वित्त पर लगाम लगाने के लिए है। उन्होंने कहा, ''मैं सुनिश्चित करना चाहती हूं कि ब्रिटेन के लोगों का तंत्र में विश्वास बना रहे।

यूक्रेन संकट पर वाणिज्यिक उपग्रहों से प्राप्त चित्रों से मिल रही है जानकारी

वाशिंगटन। वाणिज्यिक उपग्रह से प्राप्त चित्रों में सामने आया है कि रूस की सेनाएं यूक्रेन को घेर रही हैं हालांकि, इस तस्वीरों की अपनी सीमाएं हैं। मैक्सर जैसी कंपनियों के वाणिज्यिक उपग्रहों से हाल में प्राप्त उच्च गुणवत्ता वाले चित्रों में सामने आया है कि यूक्रेन से लगती सीमा पर रूस के सैनिक, एयरफील्ड और तोपखाना तैनात किया जा रहा है। दक्षिण बेलारूस और क्रीमिया में भी सैन्य जमावड़े की गतिविधियां सामने आई हैं जिसे रूस से 2014 में यूक्रेन से हथिया लिया था। इन तस्वीरों से अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के अधिकारियों के दावे सही प्रतीत होते हैं कि रूसी सेनाएं उस स्थिति में हैं जहां से वह यूक्रेन पर हमला कर सकती हैं। हालांकि, वाणिज्यिक उपग्रहों से प्राप्त तस्वीरों में इसकी पुष्टि नहीं हो सकती कि रूस के कितने सैनिक एकत्र हैं या यूक्रेन पर हमला होगा या नहीं । हालांकि, वाणिज्यिक उपग्रहों से प्राप्त तस्वीरों में इसकी पुष्टि नहीं हो सकती कि रूस के कितने सैनिक एकत्र हैं या यूक्रेन पर हमला होगा या नहीं । अमेरिकी नौसेना के सेवानिवृत्त एडमिरल जेम्स स्टाव्रिडिस ने कहा कि मैक्सर से प्राप्त तस्वीरों से अच्छी जानकारी मिल सकती है लेकिन उतनी सटीक सूचना नहीं मिल सकती जितना अमेरिकी नेताओं को मिलती है।

हवा के जरिए कोरोना वायरस का प्रसार अनुमान से कहीं अधिक दूरी तक हो सकता है : अध्ययन

वाशिंगटन।

छींकने या खांसने से संक्रमित व्यक्तियों के मुंह से निकली अति सूक्ष्म बूंदों में कोरोना वायरस की उपस्थिति अनुमान से ज्यादा समय तक बनी रह सकती है और ये कण हवा में ज्यादा दूरी तय कर सकते हैं। प्रयोगशाला में किए गए एक अध्ययन से यह बात सामने आयी है। शोध पत्रिका 'इंटरनेशनल कम्युनिकेशन इन हीट एंड मास ट्रांसफर' में प्रकाशित अध्ययन में छोटी बूंदों में कोरोना वायरस की मौजूदगी के संबंध में अध्ययन किया गया। अमेरिकी ऊर्जा विभाग की पैसिफिक नॉर्थवेस्ट नेशनल लेबोरेटरी (पीएनएनएल) के शोधकर्ताओं ने पाया है कि म्यूकस (बलगम) के जरिए वायरस काफी आगे तक पहुंचा सकता है। परंपरागत समझ यह रही है कि श्वसन तंत्र से उत्पन्न होने वाली ज्यादातर छोटी बूंदें हवा में तुरंत सूख जाती हैं और कोई नुकसान नहीं होता है। हालांकि, पीएनएनएल की टीम ने पाया है कि श्वसन की बूंदों को घेरने वाले बलगम के खोल से वाष्पीकरण की दर कम होने की संभावना है। इससे बूंदों के भीतर के वायरल कण ज्यादा समय तक नम रहते हैं। शोधकर्ताओं की टीम का अनुमान है कि बलगम के आवरण में बूंदें 30 मिनट तक नम रह सकती हैं और लगभग 200 फीट तक की यात्रा कर सकती हैं। अध्ययन से जुड़े लेखक लियोनार्ड पीज ने कहा, ''किसी संक्रमित व्यक्ति की तरफ से हवा के झोंकें से या संक्रमित व्यक्ति के कमरे से बाहर निकलने के कई मिनट बाद भी उस कमरे में लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की खबरें आ रही हैं।''

ओमीक्रोन का उपस्वरूप बीए.2, बीए.1 की तुलना में अधिक संक्रामकः स्टडी में हुए कई खुलासे

तोक्यो।

कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप का उप स्वरूप बीए.2 न केवल तेजी से फैलता है बल्कि यह गंभीर बीमारी का कारण भी बनता है। प्रयोगशाला में किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है। अध्ययन के परिणाम की अभी स्वतंत्र रूप से समीक्षा नहीं की गई है। इसे अभी 'बायोआरएक्सिव पर प्रकाशित किया गया है। इसमें कहा गया है कि बीए.2 कोरोना वायरस के पुराने स्वरूप की तुलना में गंभीर बीमारी का कारक बन सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बृहस्पतिवार को कहा कि बीए.2, बीए.1 की तुलना में अधिक संक्रामक है, लेकिन उप स्वरूप अधिक गंभीर नहीं है। डब्ल्यूएचओ में कोविड-19 टेक्निकल लीड मारिया वान केरखोवा ने एक वीडियो में कहा, ''सभी उपस्वरूपों में, बीए.2 बीए.1 की तुलना में अधिक संक्रामक है। हालांकि, गंभीरता के मामले में कोई अंतर नहीं है। नवीनतम अध्ययन में तोक्यो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक जापानी टीम ने पाया कि बीए.1, बीए.2 के समान ओमीक्रोन का उप स्वरूप काफी हद तक कोविड-19 रोधी टीकों से तैयार प्रतिरक्षा से बच जाता है। अध्ययन के लेखकों ने कहा, ''प्रयोगों से पता चला है कि टीके से तैयार प्रतिरक्षा बीए.2 की तरह बीए.1 के खिलाफ काम करने में नाकाम रहती है। ओमीक्रोन के आरंभिक मामले पहली बार नवंबर 2021 में बोत्सवाना और दक्षिण अफ्रीका से आए थे। इसका बीए.1 उप स्वरूप तब से दुनिया भर में तेजी से फैल चुका है और डेल्टा जैसे अन्य स्वरूपों पर हावी हो गया है। इस साल फरवरी तक, डेनमार्क और ब्रिटेन जैसे कई देशों में ओमीक्रोन के एक अन्य उप स्वरूप बीए.2 वंश का पता लगाया गया। शोधकर्ताओं ने कहा है कि बीए.2 ने बीए.1 को पीछे छोड़ना शुरू कर दिया है। इससे पता चलता है कि यह मूल ओमीक्रोन स्वरूप की तुलना में अधिक संक्रामक है। शोधकर्ताओं ने कहा, ''बीए.2 को ओमीक्रोन स्वरूप के रूप में माना जाता है, लेकिन इसका जीनोमिक अनुक्रम बीए.1 से काफी अलग है, जो बताता है कि बीए.2 की विशेषताएं बीए.1 से अलग हैं। शोधकर्ताओं ने चूहों पर इसका अध्ययन किया। अध्ययन के दौरान इन जीवों को बीए.2 और बीए.1 से संक्रमित किया गया तो देखा गया कि बीए.2 से संक्रमित जानवर बीमार हो गए और उनके फेफड़े खराब हो गए। उन्होंने कहा कि ऊतकों के नमूनों में बीए.2-संक्रमित चूहों के फेफड़ों को बीए.1 से संक्रमितों की तुलना में अधिक नुकसान हुआ।

स्टूडेंट्स से धोखाः कनाडा में 2 हजार भारतीय छात्रों का भविष्य खतरे में, दिवालिया होने के बाद 3 कॉलेज बंद

इंटरनेशनल डेस्क। पिछले महीने दिवालिया घोषित कनाडा के 3 मांट्रियल कालेजों के बंद होने के बाद 2000 से अधिक भारतीय छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ गया है। सी.सी.एस.क्यू. कालेज, एम. कालेज और सी.डी.ई. कालेज ने बंद होने से पहले इन छात्रों से ट्यूशन फीस में लाखों डालर एकत्र किए थे। इन छात्रों में से कई दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ रहने के लिए अलग-अलग शहरों में चले गए हैं। उनका कहना है कि उनके साथ धोखाधड़ी की गई है। वे कालेजों के खिलाफ रैलियां कर रहे हैं। पंजाब के लौंगोवाल की एक छात्रा मनप्रीत कौर ने कहा कि उसने एम. कालेज में सालाना 14,000 डालर से अधिक की फीस जमा की थी और जनवरी में चाइल्डहुड एजुकेशन में अपनी कक्षाएं शुरू करने की प्रतीक्षा कर रही थी तो कालेज को दिवालिया घोषित कर दिया। करनाल के मैडीकल छात्र विशाल राणा ने कहा कि मेरे 16 महीने के कोर्स में सिर्फ 4 महीने बचे थे तो कालेज ने पढ़ाई बंद कर दी। मुझे नहीं पता कि अब कहां जाना है। राणा ने फीस के रूप में 24,000 डालर का भुगतान किया था। हरियाणा के पिहोवा से बिजनैस मैनेजमैंट कोर्स करने आए हरविंद्र सिंह ने कहा कि मैंने इस कोर्स के लिए 21,500 डालर जमा किए हैं और मैंने अपने कोर्स के केवल 6 महीने पूरे किए हैं। मैं कुछ पैसों पर जीवित हूं जो मैंने काम करके बचाए हैं। मोगा के एक छात्र गुरकमलदीप सिंह ने कहा कि वह जून तक एम. कालेज से अपना बिजनैस मैनेजमैंट कोर्स पूरा कर लेता, लेकिन बीच में कोर्स छूट गया। वह जून तक एम. कालेज से अपना बिजनैस मैनेजमैंट कोर्स पूरा कर लेता, लेकिन बीच में कोर्स छूट गया।

प्रदर्शनकारियों का बैंक अकाउंट फ्रीज करेंगे ट्रूडो, अगर मोदी उठाते ऐसा कदम तो क्या हो?

इंटरनेशनल डेस्क।

कोरोना वैक्सीन अनिवार्य करने के खिलाफ ट्रक ड्राइवर कनाडा की ट्रूडो सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों पर नकेल करसने के लिए प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हाल ह के दिनों में एमरजेंसी की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने प्रदर्शनकारियों के बैंक खातों को भी फीज करने का फैसला लिया है। कनाडा में 50 वर्षों में पहली बार एमरजेंसी एक्ट लागू हुआ है। ट्रूडो ने कहा कि सरकार ने जो कदम उठाए हैं उसका दायरा समय-सीमित, उचित और आनुपातिक होगा। एमरजेंसी के दौरान सेना को तैनात नहीं किया जाएगा, लेकिन अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करने और उनके ट्रकों को जब्त करने के लिए ज्यादा अधिकार दिए जाएंगे, इसके साथ ही विरोध प्रदर्शन की फंडिंग को बैन किया जाएगा। कुछ दिन पहले हालात ऐसे हो गए थे कि ट्रूडो को अपने परिवार सहित कहीं गुप्त स्थान पर जाना पड़ा था। बता दें कि ट्रूडो ने भारत में किसान आंदोलन के लिए समर्थन जताया था। ट्रूडो सरकार बैंक और वित्तीय संस्थान अस्थायी तौर पर उन संदिग्धों के खातों को फ्रीज कर सकती है जो रास्तों को रोके जाने या प्रदर्शनों का समर्थन कर रहे हैं। कनाडा के इमरजेंसी एक्ट के तहत इस कार्रवाई के लिए किसी कोर्ट के आदेश की भी जरूरत नहीं होगी। साथ ही विरोध-प्रदर्शनों में इस्तेमाल हो रही गाड़ियों के इंश्योरेंस को भी निलंबित किया जा सकता है। कनाडा की ट्रूडो सरकार भले ही इस तरह के सख्त कदम उठा रही हो लेकिन अगर यही कानून भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लागी करने पर विचार भी करें तो शायद उनके खिलाफ पार्टी के ही कई लोग बगावत कर दें। विपक्ष तो पहले ही पीएम मोदी के हर फैसले पर सवाल खड़ा करता है। वहीं अगर पीएम मोदी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कुछ ऐसा कदम उठते भी तो सिर्फ प्रदर्शनकारी ही नहीं उनका पूरा परिवार, यहां तक कि जो लोग उनको फंडिंग करते हैं वो भी भारत सरकार के खिलाफ एकजुट हो जाते। किसान आंदोलन के समय भी विदेश की कई बड़ी हस्तियों ने इसके खिलाफ आवाज उठाई थी लेकिन अब ट्रूडो जो कर रहे हैं उस पर सबने चुप्पी साध रखी है। भारत की हर गतिविध पर दुनिया की नजर जब से केंद्र में मोदी सरकार आई है, पूरी दुनिया की नजर भारत की हर गतिविधि पर रहती है। भारत सरकार की तरफ से जो भी कोई फैसला लिया जाता है दुनिया के कई देश या बड़ी शख्सियतें उस पर प्रतिक्रिया जरूर देती है। किसान आंदोलन के समय पॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक की कई बड़ी हस्तियों ने रिएक्ट किया था। कई फिल्मी हस्तियों ने मोदी सरकार की आलोचना की थी और कृषि कानून को लेकर केंद्र के अड़ियल रवैये पर सवाल उठाए थे।

11 साल की लड़की के साथ 30 साल के भारतीय ने बनाए थे संबंध, सिंगापुर अदालत ने सुनाई ये कठोर सजा

सिंगापुर। सिंगापुर में एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के मामले में शुक्रवार को 30 साल के एक भारतीय नागरिक को एक साल की सजा सुनाई गई। मीडिया में प्रकाशित एक खबर में यह जानकारी सामने आई। अदालत ने पिछले साल 11 साल की एक लड़की का यौन उत्पीड़न करने के एक मामले में जीवनंदन गोविन्दन को दोषी पाया। टुडे अखबार में प्रकाशित खबर के अनुसार, अदालत ने दोषी को तीन बार बेंत मारने की भी सजा सुनाई। न्यायाधीश क्रिस्टोफर गोह ने कहा कि उन्होंने बेंत से मारने की सजा केवल इसलिए नहीं दी कि दोषी ने लड़की का यौन उत्पीड़न किया, बल्कि इसलिए भी दी क्योंकि पीड़िता की उम्र बहुत कम है। अदालत से प्राप्त विवरण के अनुसार, गोविंदन पेशे से इंजीनियर है और पिछले साल 23 फरवरी को उसने नशे की हालत में पीड़िता का पीछा किया और उसका यौन उत्पीड़न किया।प्राप्त विवरण के अनुसार, गोविंदन पेशे से इंजीनियर है और पिछले साल 23 फरवरी को उसने नशे की हालत में पीड़िता का पीछा किया और उसका यौन उत्पीड़न किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिजाब पहनना इस्लाम का आवश्यक धार्मिक अंग नहीं हैः कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट में कहा

एजेंसी ।

कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को उच्च न्यायालय के सामने कहा कि हिजाब इस्लाम की आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है और इसका इस्तेमाल रोकने पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 का उल्लंघन नहीं होता। गौरतलब है कि अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है। कर्नाटक के महाधिवक्ता (एजी) प्रभुलिंग नवदगी ने न्यायमूर्ति ऋतुराज अवस्थी, न्यायमूर्ति जे. एम. काजी और न्यायमूर्ति कृष्ण एम दीक्षित की पीठ से कहा, ÷हमने यह रुख अपनाया है कि हिजाब पहनना इस्लाम का आवश्यक धार्मिक अंग नहीं है। कुछ मुस्लिम लड़कियों ने आरोप लगाया था कि कर्नाटक सरकार द्वारा हिजाब या भगवा स्कार्फ पहनने पर रोक लगाने के पांच फरवरी के आदेश से संविधान के अनुच्छेद 25 का उल्लंघन होता है। महाधिवक्ता ने इस आरोप का भी खंडन किया। अनुच्छेद 25 भारत के नागरिकों को अंतःकरण की और धर्म की अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता देता है। नवदगी ने दलील दी कि सरकार के आदेश से संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) का उल्लंघन नहीं होता। यह अनुच्छेद भारतीय नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। महाधिवक्ता ने यह भी कहा कि राज्य सरकार का पांच फरवरी का आदेश कानून सम्मत है और उसमें आपत्ति करने जैसी कोई चीज नहीं है।

चीन सीमा पर तनावः श्रीनगर-लेह राजमार्ग के जल्द खुलने की राह आसान नहीं, बर्फबारी बनी रूकावट

एजेंसी ।

लद्दाख सेक्टर में चीन सीमा पर दो सालों से जारी तनातनी के माहौल के बीच तक सप्लाई को निर्बाध जारी रखने की खातिर 434 किमी लंबे श्रीनगर-लेह राजमार्ग को खुला रखना सीमा सड़क संगठन के लिए चुनौती साबित हो रहा है। दरअसल बर्फबारी चुनौती बनी हुई है। इतना जरूर था कि इसके इस बार जल्दी खुल जाने की संभावना इसलिए व्यक्त की जा रही है क्योंकि इस राजमार्ग पर इस बार उतनी बर्फबारी नहीं हुई है जितनी पिछले साल हुई थी। बीकन संगठन के अनुसार, इस राजमार्ग से बर्फ हटाने का कार्य पूरी तेजी के साथ जारी है। दरअसल जम्मू कश्मीर व लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन इस पर जोर दे रहे हैं कि राजमार्ग जल्द से जल्द खुल जाए।

हालांकि इस राजमार्ग पर पिछले साल की बनिस्बत कम बर्फबारी हुई है पर राजमार्ग से बर्फ हटाने में जुटे कर्मियों को कई स्थानों पर हिमस्खलन की परिस्थितियों से दो चार होना पड़ रहा है जो कार्य में लगातार बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अगर मौसम ने साथ दिया तो इस राजमार्ग से इस माह के अंत तक बर्फ को हटा दिया जाएगा। और फिर राजमार्ग की परिस्थितियों को जांचने के बाद ही इस पर यातायात बहाल करने की अनुमति प्रदान की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि सोनामर्ग-बालटाल रोड पर इस बार 4 से 6 फीट बर्फ है और जोजिला पर यह 8 से 10 फुट है। यही कारण था कि इस बार अधिकारियों को इसे जल्द चालू करने की उम्मीद बंधी है। अधिकारियों ने बताया कि सोनामर्ग-बालटाल रोड पर इस बार 4 से 6 फीट बर्फ है और जोजिला पर यह 8 से 10 फुट है। यही कारण था कि इस बार अधिकारियों को इसे जल्द चालू करने की उम्मीद बंधी है।

केरल विस में विपक्ष ने ''राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगाए

एजेंसी । केरल विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत शुक्रवार को हंगामे के साथ हुई। विपक्षी कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ ''वापस जाओ के नारे लगाए और सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करने के बाद धरना दिया। सत्र शुरू होने पर राज्यपाल अभिभाषण देने के लिए जैसे ही विधानसभा कक्ष में दाखिल हुए तो विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी और उन्हें बैनर दिखाए जिसमें लिखा हुआ था कि उन्होंने मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन को बचाने के लिए लोकायुक्त अध्यादेश पर हस्ताक्षर किए। वाम सरकार द्वारा लाए गए इस अध्यादेश की वजह से हाल में राज्य में राजनीतिक तूफान उठ खड़ा हुआ था। विपक्षी दलों ने इसका विरोध करते हुए दावा किया है कि इससे भ्रष्टाचार रोधी संस्था कमजोर होगी। जब विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कुछ कहने की कोशिश की तो नाराज प्रतीत हो रहे खान ने कहा कि यह प्रदर्शन का वक्त नहीं है। विपक्ष के नेता को ''जिम्मेदार व्यक्ति बताते हुए उन्होंने कहा कि उनके सामने विधानसभा का सत्र है जहां सभी मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है। नारेबाजी को नजरअंदाज करते हुए उन्होंने नीति दस्तावेज पढ़ना भी शुरू कर दिया। लेकिन जैसे ही अभिभाषण शुरू हुआ तो विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया ।

टीटीडी ने 2022-23 के लिए लगाया 3,096 करोड़ राजस्व का अनुमान

तिरूमाला। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड ने गुरुवार को वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 3,096 करोड़ रुपये की आमदनी होने का अनुमान लगाया है। अन्नामय्या भवन में मीडिया से बात करते हुए टीटीडी ट्रस्ट बोड के अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी ने कहा कि देश भर में कोविड-19 महामारी का प्रकोप कुछ कम हो गया। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारों के निर्देशों का पालन करते हुए टीटीडी अपने सभी अर्जित सेवा और दर्शन इत्यादि को फिर से शुरू करेगा, जो मार्च 2020 से ठप हैं। इस बीच, बोर्ड ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी की सलाह पर 230 करोड़ रुपये की लागत से श्री पद्मावती चिल्ड्रेन हॉस्पिटल के निर्माण को भी मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, टीटीडी जेईओ के तहत एक विशेषज्ञ समिति श्री पद्मावती हृदयालय के लिए चिकित्सा उपकरण खरीदेगी। उल्लेखनीय है कि हृदयालय ने 100 दिनों में बच्चों की 100 सर्जरी करने का नया रिकॉर्ड बनाया है। बोर्ड एक्सप्रेसवे'श्रीनिवास सेतुगरुड़ वरधी के निर्माण के लिए भी चरणबद्ध तरीके से 150 करोड़ रुपये जारी करेगा और दिसंबर तक इसे पूरा कर सुनिश्चित करेगा। इसके लिए पहले ही 100 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। इसने श्री वेंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिक साइंसेज (एसवीआईएमएस) के कुल कम्प्यूटरीकरण के लिए 2.73 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

सरकारी स्कूलों में चल रहे टीकाकरण केन्द्रों को दूसरी जगह शिफ्ट करें, एआईपीए ने उपराज्यपाल से की मांग

एजेंसी ।

अखिल भारतीय अभिभावक संघ (एआईपीए) ने दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वह दिल्ली सरकार के स्कूलों में चल रहे कोविड टीकाकरण केन्द्रों को दूसरी जगह स्थानांतरित करें और कोविड ड्यूटी पर तैनात शिक्षकों को भी वापस बुलाएं। राष्ट्रीय राजधानी में कोविड के मामले घटने के बाद लंबे समय से बंद स्कूल फिर खुल गए हैं, इसी पृष्ठभूमि में एआईपीए ने यह पत्र लिखा है। एआईपीए के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने पत्र में कहा है, ''अब जब छात्र स्कूल जा रहे हैं तो सरकारी स्कूलों में चल रहे टीकाकरण केन्द्रों को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाना चाहिए। साथ ही, चूंकि संक्रमितों की संख्या प्रभावी रूप से कम हो गयी है, अतः कोविड ड्यूटी में तैनात शिक्षकों को वापस बुला लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों को सुरक्षित वातावरण मुहैया करना महत्वपूर्ण है जहां वे अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे सकें क्योंकि ''कोविड के कारण स्कूल बंद रहने से छात्रों की पढ़ाई का पहले ही बहुत नुकसान हो चुका है। शहर में संक्रमण के मामलों में कमी आने के बाद दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने उच्च शिक्षा संस्थानों, कोचिंग सेंटर और 9वीं से 12वीं तक की स्कूली कक्षाओं को सात फरवरी से खोलने का फैसला लिया। डीडीएमए ने 14 फरवरी से नर्सरी से 8वीं कक्षा तक के लिए स्कूल खोलने का भी फैसला लिया। शहर के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, दिल्ली में

बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 739 नये मामले आए थे जबकि संक्रमण से पांच लोगों की मौत हुई थी। गौरतलब है कि 13 जनवरी को दिल्ली में संक्रमण के रिकॉर्ड 28,867 मामले दर्ज किए गए थे, हालांकि उसके बाद से मामलों में कमी आ रही है।

15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 2 करोड़ से ज्यादा किशोरों का पूर्ण कोविड टीकाकरणः स्वास्थ्य मंत्री

नई दिल्ली।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को बताया कि देश में 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 2 करोड़ से ज्यादा किशोरों का पूर्ण कोविड टीकाकरण हो गया है। मंडाविया ने ट्वीट किया है कि युवा भारत दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को अगले स्तर पर ले जा रहा है! 15 से 18 साल आयु वर्ग के दो करोड़ से ज्यादा किशोरों का पूर्ण कोविड टीकाकरण हुआ। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 15 से 18 साल आयुवर्ग के 70 फीसदी से ज्यादा लाभार्थियों को कोविड रोधी टीके की पहली खुराक लगा दी गई है। भारत के महापंजीयक (आरजीआई) के अनुसार, अनुमान है कि 2021-22 में 15 से 18 साल आयुवर्ग की आबादी करीब 7.4 करोड़ है। देश में इस आयुवर्ग के लिए कोविड रोधी टीकाकरण तीन जनवरी से शुरू हुआ।

उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि के '19 बंगले' पर छिड़ा घमासान, भाजपा नेता बोले- भ्रष्टाचार के पैसे से खरीदी प्रॉपटी

एजेंसी ।

भाजपा नेता किरीट सोमैया के कोरली गांव पहुंचने के बाद अलीबाग पुलिस ने शिवसैनिकों को अलीबाग ग्राम पंचायत कार्यालय परिसर में घुसने से शुक्रवार को रोक दिया। सोमैया ने कहा कि वह 19 बंगलों की जानकारी लेने अलीबाग आए थे, जो कथित तौर पर राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे के नाम पर हैं। उन्होंने पहले कथित तौर पर आरोप लगाया था कि रश्मि ठाकरे ने अलीबाग में 19 बंगले खरीदे थे जो सभी बेनामी संपत्तियां हैं जो कथित रूप से भ्रष्टाचार के पैसे से ली गई हैं। सोमैया ने रश्मि ठाकरे द्वारा भुगतान किए गए संपत्ति कर से संबंधित कागजात भी दिखाए। शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने पूछा कि सोमैया शुक्रवार को ग्राम पंचायत कार्यालय में बंगलों का हाल जानने क्यों गए थे। सोमैया को कार्यालय से हटाने की मांग को लेकर शुक्रवार को शिवसैनिक

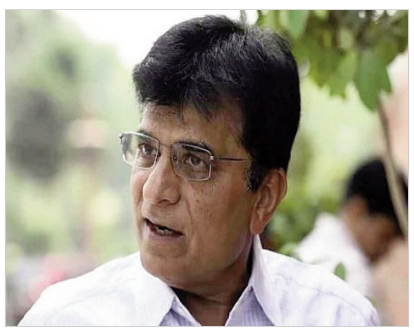

अलीबाग में ग्राम पंचायत कार्यालय के बाहर जमा हो गए और कार्यालय में न घुसने की धमकी दी। बाद में सोमैया ग्राम पंचायत कार्यालय से चले गए।

किशोरों के प्रेम प्रसंग मामलों के लिये नहीं है पॉक्सो कानूनः हाईकोर्ट

प्रयागराज।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पॉक्सो कानून के तहत आरोपी अतुल मिश्रा को बृहस्पतिवार को यह कहते हुए जमानत दे दी कि यह कानून किशोरों के प्रेम प्रसंग के मामलों के लिये नहीं है। आरोपी का 14 वर्ष की एक किशोरी से प्रेम प्रसंग चल रहा था और दोनों ने भागकर एक मंदिर में विवाह कर लिया था। इसके बाद करीब दो साल तक दोनों साथ रहे, लेकिन इस दौरान लड़की ने एक बच्चे को जन्म दिया। अतुल मिश्रा की जमानत अर्जी मंजूर करते हुए न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने कहा कि ऐसे मामले बढ़ रहे हैं जहां किशोर और नवयुवकों पर पॉक्सो कानून के तहत अपराध के मामले दर्ज किये जा रहे हैं, लेकिन यह बहुत चिंता का विषय है। अदालत ने कहा कि पॉक्सो कानून बच्चों की यौन शोषण, उत्पीड़न, पोर्नोग्राफी जैसे अपराधों से रक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण के लिये बना है। हालांकि, बड़ी संख्या में पॉक्सो के तहत दर्ज मामलों को देखने से लगता है कि वे प्रेम प्रसंग में लिप्त किशोरों के परिवारों की शिकायत पर दर्ज कराये गये हैं। आवेदक की जमानत अर्जी मंजूर करते हुए अदालत ने कहा कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि नाबालिग लड़की की सहमति का कानून की नजर में कोई मूल्य नहीं है, लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जहां लड़की ने एक बच्चे को जन्म दिया है। अदालत ने कहा कि उसने अपने बयान में अपने मां-बाप के साथ जाने से मना कर दिया है और पिछले चार-पांच महीनों से प्रयागराज के खुल्दाबाद स्थित राजकीय बालगृह में बहुत अमानवीय स्थिति में अपने बच्चे के साथ रह रही है। अदालत ने कहा कि परिस्थितियों का समग्र रूप से आकलन करने पर पता चलता है कि घर में बच्चों की सीख का जिम्मा मां-बाप पर होता है, लेकिन यहां मां-बाप अपने बच्चों में जीवन मूल्य, जीवन के लक्ष्य तथा प्राथमिकता और परिवार की परंपरा की भावना विकसित करने में बुरी तरह विफल रहे हैं। अदालत ने कहा कि यदि ये किशोर बच्चे परिणय सूत्र में बंधने का निर्णय करते हैं और अब इस संबंध से उनके पास एक बच्चा है तो निश्चित तौर पर पॉक्सो कानून उनके रास्ते की बाधा नहीं बनेगा। अदालत ने साफ कर दिया कि यहां लड़की के साथ यौन शोषण तो निश्चित तौर पर पॉक्सो कानून उनके रास्ते की बाधा नहीं बनेगा। अदालत ने साफ कर दिया कि यहां लड़की के साथ यौन शोषण या यौन उत्पीड़न नहीं किया गया है।

बार्डर किसान यूनियन की मांग, रामगढ़ विधानसभा सीट से आरक्षण हटाया जाए

साम्बा । चेयरमैन मोहन सिंह भट्टी की अध्यक्षता में बॉर्डर किसान यूनीयन ने वीरवार को रामगढ़ में धरना दिया व बाद में तहसीलदार को एलजी के नाम का ज्ञापन सौंप कर मांगें उठाई। अपनी पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री मंजीत सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे व किसानों की मांगों का पुरजोर समर्थन किया। कार्यक्रम में परिसीमन आयोग की ड्राफ्ट रिपोर्ट के अनुसार रामगढ़ को आरक्षित (एससी) करने पर आयोग की आलोचना की गई व कहा गया कि प्रस्तावित सीट से क्षेत्र के लोग असंतुष्ट हैं क्योंकि इसे सत्तादल की इच्छानुसार बनाया गया है। भट्टी ने कहा कि मानदंडों को ताक पर रख कर इन सीटों का सृजन किया गया है और कई तथ्यों को नजरअंदाज किया गया है। हास्यास्पद रूप से राजमार्ग पर स्थित पंचायतों को बॉर्डर सीट से जोड़ा गया जबकि बार्डर की गई पंचायतों को साम्बा ओपन सीट से जोड़ा गया है। कुछ ऐसे इलाके जो 1996 से साम्बा आरक्षित सीट का हिस्सा थे, को दोबारा आरक्षित रामगढ़ सीट से जोड़ा जा रहा है व जनता को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कठुआ से छंब तक की पूरी सीमा पट्टी पर पीओजेके के विस्थापितों का वर्चस्व है, जिनमें से अधिकांश को आरक्षित किया जा रहा है, जो सही नहीं है। उन्होंने कहा कि परिसीमन आयोग के अधिकारियों से अनुरोध है कि वे अपने प्रस्ताव पर पुनर्विचार करें और रामगढ़ रामगढ़ निर्वाचन क्षेत्र को अनारक्षित घोषित करें। मौजूदा सुचेतगढ़ बॉर्डर सीट को समाप्त करने पर भ्भी रोष जताया गया और 1947, 1965 और 1971 के विस्थापितों को वनटाईम सेटलमेंट के तहत बकाया 25-25 लाख रूपए देने की मांग की गई। इसके साथ ही इन्हें जम्मू-कश्मीर राज्य के बाहर पेशेवर कॉलेजों में आरक्षण, अर्धसैनिक और सशस्त्र बलों में आरक्षण और अन्य सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने की भी मांग की गई।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू कश्मीर को लेकर अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक - आर्मी चीफ, उपराज्यपाल और अजीत डोभाल रहे मौजूद

एजेंसी । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में शुरू की गई विकास पहलों के साथ-साथ वहां की सुरक्षा स्थिति की शुक्रवार को समीक्षा की। समीक्षा बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे और केंद्र सरकार तथा केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी शामिल हुए। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार गृह मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा सहित जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शाह ने केंद्रशासित प्रदेश में शुरू की गई विकास पहलों में हुयी प्रगति का भी जायजा लिया। जम्मू-कश्मीर में अभी केंद्रीय शासन है। पांच अगस्त, 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को रद्द किये जाने के बाद तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया गया था।

जिला सुशासन कार्य में पुलवामा के सिर सजा ताज, मिला बेस्ट जिले का अवार्ड

श्रीनगर। सुशासन सूचकांक में जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले का नाम चमक उठा है। जिले को अच्छे काम के लिए वाह-वाही मिल रही है । सरकारी डाटा में इस बात का खुलासा है जम्मू कश्मीर जिला सुशासन सूचकांक जिला स्तर पर प्रशासनिक सुधार में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। बहुत सारे लोगों से बात करने के बाद इस सूचकांक को तैयार किया गया है इसमें इस बात का ध्यान रखा जाता है कि प्रशासन की कार्रवई में सुधार हेतु क्या-क्या काम किये जा सकते हैं। छेश में जम्मू कश्मीर पहला संघीय प्रदेश है जो गुड गर्वनेंस इंडैक्स में आया है। इसे गृहमंत्री अमित शाह ने लांच किया था। कश्मीर का पुलवाता जिला इसमें चैथे स्थान पर है। इस बारे में पुलवामा के डीसभ् बसीर उल हक ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसमें जिले के तमाम सेक्टरों को देखा जाता है। उन्होंने कहा कि बादाम उत्पादन से लेकर केसर तक में पुलवामा शामिल है।

फेसबुक पर दो महिलाओं को हुआ क्रेजी प्यार, पतियों को छोड़ रचा ली आपस में शादी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक बेहद दिलचस्प मामला देखने को मिला। दरअसल, फेसबुक पर मिली दो महिलाओं की दोस्ती इस कदर प्यार में बदली कि दोनों ने एक दूसरे संग जीवन का सफर तय करने का फैसला कर लिया, इस बीच दिलचस्प बात यह है कि दोनों ही महिलाए शादी शुदा है और दोनों अपने पतियों को छोड़ने का फैसला किया है। बता दें कि एक महिला नेपाली है, जो शिमला में रहती है. दूसरी महिला भोपाल की है। यह मामला नेपाली संगठन के पास आया तो उन्होंने भोपाल पुलिस से मदद मांगी। इसके बाद भोपाल पुलिस ने दोनों की काउंसलिंग कर इस मामले को सुलझाया। जानकारी के मुताबिक, शिमला की महिला की फेसबुक के जरिए भोपाल में रहने वाली एक महिला से दोस्ती हुई। इसके बाद शिमला की महिला भोपाल में रहने वाली महिला से मिलने आई, जिसके बाद दोनों में प्यार हुआ और फिर दोनों ने शादी कर ली। बताया जा रहा है कि दोनों ने गाजियाबाद में शादी की। जानकारी के मुताबिक, नेपाली महिला के दो बच्चे हैं, जबकि भोपाल में रहने वाली महिला का एक बच्चा है। भोपाल में रहने वाली महिला अपने पति से अलग रह रही थी, जबकि शिमला में रहने वाली महिला अपने पति को छोड़कर आई थी। शिमला में महिला के पति ने पत्नी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई जिसके बाद मामला उजागर हुआ।

लद्दाख में कोविड-19 के 54 नए मामले

लेह । लद्दाख में 54 और लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के कारण महामारी के कुल मामलों की संख्या 27,695 पर पहुंच गयी जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 416 रह गयी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि लद्दाख में बृहस्पतिवार को 105 लोगों को स्वस्थ होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दी गयी। इसके साथ ही इस संक्रमण मुक्त हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 27,051 हो गयी है। उन्होंने बताया कि संक्रमण के 54 नए मामलों में से 48 लेह जिले से और आठ करगिल जिले से सामने आए। केंद्र शासित प्रदेश में कोविड से 228 मरीजों की मौत हो चुकी है। बृहस्पतविार को संक्रमण से किसी की मौत नहीं हुई।

दिल्लीः आप पार्षद रिश्वत लेते गिरफ्तार, भाजपा ने लगाए डिप्टी सीएम पर आरोप

नेशनल डेस्क। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने पूर्वी दिल्ली से आम आदमी पार्टी की निगम पार्षद गीता रावत को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि आप पार्षद के पास रिश्वत की कमाई मूंगफली वाले के जरिए की जाती थी। जानकारी के अनुसार, मूंगफली वाले सनाउल्लाह के पिता को इस बात का पता चला कि उनके बेटे को किसी ने पकड़ रखा है तो वह दौड़कर अपने बेटे के ठेले पर गए। दिल्ली भाजपा ने सीएम केजरीवाल और डिप्टी सीएम पर गीता रावत को लेकर निशाना साधा है। प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आप पार्षद को डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया का करीबी बताया है। पिता ने जब पूछा कि आपने मेरी बेटे को क्यों पकड़ा है तो उन्होंने कहा कि हम सीबीआई वाले हैं और अभी आपको पता चल जाएगा कि हमने आपके बेटे को क्यों पकड़ा है। बाद में पता चला कि निगम पार्षद गीता रावत, इस मूंगफली वाले के थ्रू ही रिश्वत के कमाई लिया करती थी। सीबीआई ने खास योजना बनाते हुए नोटों पर कलर लगा कर मूंगफली वाले को रुपये दिए। यह राशि जब मूंगफली वाला गीता रावत को देने गया तो सीबीआई ने रंगे हाथों पकड़ लिया। तलाशी के दौरान वही रंग लगे नोट बरामद किए गए हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने निशाना साधते हुए कहा कि उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की करीबी पार्षद गीता रावत को आज ने रंगे हाथ रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। रेहड़ी-पटरी वालों से महीना बंदी, हर महीने पैसे लेने का काम,क्की निगम पार्षद कर रहीं थी।गरीबों को परेशान करना, उनसे हफ्ता-वसूली करना,क्का असली एजेंडा है। गरीबों को परेशान करना, उनसे हफ्ता-वसूली करना,क्का असली एजेंडा है। दिल्ली भाजपा ने कहा अब एमसीडी को भी लूटने की है आप की तैयारी, रिश्वत लेते हुई आप पार्षद की गिरफ्तारी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई